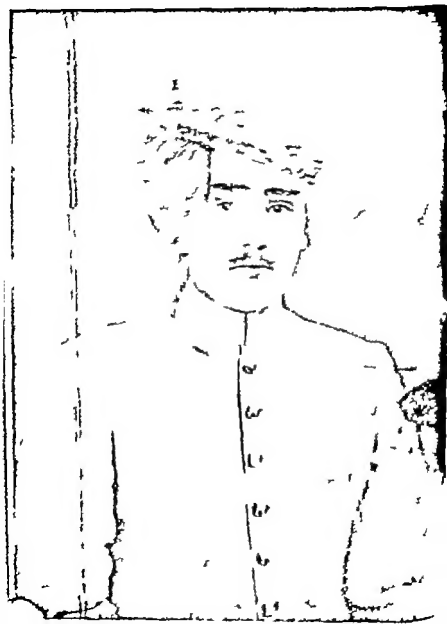


कलायण

जर्ज बाय

वान्नाम गंजना

११४
श्रीगुरुदेव गुरुदेव
श्रीगुरुदेव गुरुदेव
श्रीगुरुदेव



समर्पण

धीमान वाम माननीय गटाइ इन्-मिनि
बु-गुल-मिनिह द्वा विषमोवन्यह-मूर्ति
बंछानर गवग वरागवकुमार
ज्ज्ञान धी धमगिह श्री वरादूर
दगगराधीगुरे दगधमना-मै
गविनय गारा

गमर्पित



| | | | | | | |
|-------|--------|-------|----------|---------|---------|--------|
| करसी | जनता | अमर | जस | जीबूख | मर | मुखगान |
| बख्ता | बंगल | सोपकर | हीनो | हरसण | दान | |
| दीमो | हरसण | दान | गांढ | अलु | हरदामो | |
| गदगद | आषो | जीब | सिटी-मुल | मुल | मुपनामो | |
| राख | पयाबलि | दास | अमर | कर-कमला | बरसी | |
| वरण | चाकरी | करत | बयो | पुर | आखर | करसी |

जीवन का बेसा संरिक्त बर्णन इस छोटी सी रचना में ११
बेसा अम्यत्र देखने में नहीं आया ।

कलापय का अर्थ है काली घटा, पर कलापय शब्द में जो
बलता है उसे अनुवाद करके नहीं बताया जा सकता यह अनुभव
ही की जा सकती है ।

वैसे तो बर्णन समस्त भारत की अनेक महत्त्वपूर्ण श्रुति है परन्तु
राजस्थान के लिए उसका जो महत्त्व है वह तो अविचलित है ।
राजस्थान का तो वह जीवन ही है । मर्याद राजस्थानी कवि बर्णन से
अमृतपूष मेरवा पाता है अर्थात् बर्णन करते समय उसका
हृदय उसके साथ पूर्ण-रूपेण विलीन हो जाता है ।

कलापय काव्य में कलापय की जीवन-कथा है और साथ-ही
साथ राजस्थान की प्राचीन जनता की जीवन-कथा भी । दोनों अनेक
दूरी से इस प्रकार जुड़ी हुई हैं कि कलापय करके नहीं देखा
जा सकता । कलापय की कथा करते हुए कवि को जनता की जीवन-
कथा भी कहनी पड़ी है—उसके बिना कलापय की कथा मजा पूरी
ही कैसे होती ?

कलापय की कथा के प्रसंग से कवि बर्णन को ही नहीं बर्णन
की कथा कह गया है । कलापय के अन्त के प्रसंग में कवि ने ग्राम्य
का चित्रावली किया है और कलापय के पञ्च-स्वरूप होने वाले
व्यापारों अर्थात् आमदों के प्रसंग में शरद, शिशिर और वसन्त का
इस प्रकार इस काव्य में कवि ने विलास की वाराह मासों की चित्रावली
कोरक-पूषक अंकित की है ।

कलायण सबसे कम में प्राविरीत रचना है। राजस्थानी साहित्य में यह सम्मान का स्थान प्राप्त करेगी यह तो निर्विवाद है। कवि नवयुवक है और यह उसका प्रथम प्रयास है। भविष्य के लिए इससे बहुत आशाओं हैं।

सबसे हर्ष की बात यह है कि कवि समाज के इस स्तर से संबन्ध रखता है जिसे साधारणतया निम्न कहा जाता है। प्रथमा पर किसी जाति-विरोध का अन्वेषिकार नहीं होता। राजस्थानी साहित्य को इन तथा कथा-कथित निम्न स्तर के कवियों ने जो भीमें ही हैं वे निराला कमूय हैं। तेसी पद्म का व्याख्या और काती रचना का माहेरा आज जन-जन की जिह्वा पर नाचते हैं। संस्कार नानूराज का यह कलायण काम्य भी राजस्थानी साहित्य की अनेक अमर परतु सिद्ध होगी।

राति-आधम
बीधनेर
आलावीस, सं० २००५

नरोधमदास स्वामी

प्रस्तावना

राजस्थानी के साहित्य-मन्दिर में कस्तुरिण के कवि का स्वागत करते हुये मुझे अत्यन्त हर्ष होता है। राजस्थानी-साहित्याकाश का यह महोदित भूतल अपनी मधुरिम और उत्कृष्टता आभा से काव्य-प्रदेश को आलोकित करने में समर्थ होगा।

भारतीय कवियों को प्रकृति ने सर्वत्र सुगंध दिये रखा है। भारत है भी प्रकृति के माना-रंगी विविध रूपों का भय-पूर भण्डार। भारतीय साहित्य में प्रकृति के सभी रूपों का भाव पूर्ण और सजीव चित्रण हुआ है। वैदिक-काशीम तथा के पितृ विरच के साहित्य में वे जोड़ हैं। आदि-कवि ने प्रकृति का जो हृदय-स्पर्शी और मनोरम वर्णन किया है वह आदि-कवि के गौरव के अनुरूप ही है। कालिदास का ऋतु-संहार तो विरच-विभित है ही अपने माटकों और काव्यों में श्री कवि ने प्रकृति को प्रमुख स्थान दिया है। भारत की विविध भाषाओं में प्रकृति का वर्णन करनेवाली जोड़-से-जोड़ कन्नूटी कृतिपाँ मिलेंगी। प्राचीन राजस्थानी और प्राचीन गुजराती का बखत-विलास काव्य जोड़ भावुक कवि-हृदय से निकली हुई अत्यन्त मनो-हारिणी रस से सराबोर काव्य-रचना है।

कस्तुरिण भी जोड़ मनोरम प्रकृति-काव्य है। प्रकृति और मानव-

जीवन का बेसा संरिक्त वर्णन इस छोटी सी रचना में हुआ है
बेसा अन्यत्र देखने में नहीं आया ।

कल्याण का अर्थ है कबी पटा, पर कल्याण राज्य में जो
बहुता है उसे अनुवाद करके नहीं बताया जा सकता वह अनुभव
ही की जा सकती है ।

बेसे तो वर्ण समस्त भारत की एक महत्वपूर्ण श्रुति है परन्तु
राजस्थान के लिए उसका जो महत्व है वह तो अचर्यानीय है ।
राजस्थान का तो वह जीवन ही है । प्रत्येक राजस्थानी कवि वर्ण से
अमृतपूष प्रेरणा पाता है जब वर्ण का पणन करते समय उसका
हृदय उसके साम पूर्ण-रूपेण उवाचर हो जाता है ।

कल्याण काव्य में कल्याण की जीवन-कथा है और साव-ही
साव राजस्थान की प्राणीय जनता की जीवन-कथा भी । दोनों अके-
दूसरी से इस प्रकार जुड़ी हुई हैं कि उनको अलग करके नहीं देखा
जा सकता । कल्याण की कथा कहते हुए कवि को जनता की जीवन-
कथा भी कहनी पड़ी है—इसके बिना कल्याण की कथा सत्ता पूरी
ही कैसे होती ?

कल्याण की कथा के प्रसंग से कवि वर्ण को ही नहीं वर्ण भर
की कथा कह गया है । कल्याण के जन्म के प्रसंग में कवि ने धीमे
का चित्रावण किया है और कल्याण के फल-स्वरूप होने वाले
व्यापारों के वर्ण वर्णों के प्रसंग में शरद, शिशिर और वसन्त का ।
इस प्रकार इस काव्य में कवि ने रीहात की बारह मासों की चित्रावली
औरत-पूष का अंकित की है ।

कलायण सचने अथ में प्रगतिशील रचना है। राजस्थानी साहित्य में यह सम्मान का स्थान प्राप्त करेगी यह तो निःसंदिग्ध है। कवि नवयुवक है और यह उसका प्रथम प्रयास है। अधिष्ठ के शिष्य इसमें बहुत आशामें हैं।

सबसे हर्ष की बात यह है कि कवि समाज के इस स्तर से संभव रखता है जिसे साधारणतया निम्न कहा जाता है। प्रतिभा पर किसी जाति-विरोध का अंकुश नहीं होता। राजस्थानी साहित्य को इन तथा कथा-कविता निम्न स्तर के कवियों ने जो जीर्णोद्धार है वे निराश्रय अमूर्त्य हैं। तेजी पदम का व्याख्या और काशी रचना का मादुराज आज जन-जन की जिह्वा पर नाचत है। संस्कृत भामह का यह कलायण काव्य भी राजस्थानी साहित्य की ओर अमर पानु सिद्ध होय।

शांति-आनन्द
बीरनेर
आराधना, सं० २००४

नगेन्द्रदास स्वामी

दो बोल

आमे माथे जोसर-पोड़ी, आंतरे-सु आंखी काशी पटा-रो नाथ
 कलायण है । बलायण मुरघर-बास्या-रे काटले-री कोर है ।
 भला हो समो दुषा भला ही काल, अठे-रा मिनस बलायण-मे करेजी
 काली मूने । समो दुषा आर्यद उदाबै, कलायण-रा गुल गपबै ।
 कल पद-या बलायण-मे मूरे पसे करे । बलायण मुरघर-री मोटी
 मेदाजी है । सदा-सु स्नह भरयो साज राखयो है । अंगुली रे
 तावका मे मुजा फिरसो करको काम करता परा फिरसास बलायण रे
 कोह मे छुवा-रे कपडा-मे कोनी गिणी । रात मे रोही-रे काम-सु
 बखोदा हुता धका भी पूरी मीद कोनी सभै । मारत अटपै कठ
 नबै खाली ही काम-मे जुद पड़े । लुगणा ही बलायण-रे आसगे-सु
 रोता-रे काम-मे मरदा-री मयस करे । पाला ही भूजा कदायस
 राही आवै, जोवता रोही मंगला-रो आखो दाखो स व्यावै ।
 गायला न्याज, पावदियासा बाल, जोबै कटिऊ-री बाटा, माटा
 बिलोम करे । दिमूगे दुबला-पावला पसु पाव-री बाय मसबदा
 जगल-मे बरले आवै, आयस अब-माया ही पाता आ ध्यावै ।
 बलीदा भिछी उदार आवै आवै बागोसपा-रे सामेला आवै है ।
 टीटोदी बह-बह अबास बह, गोता खावै अफवाग मझै, पद

कल्याण आर्य, आसी आस पूर नासे ।

आमि अपूर-सु आसी मयवासी हरल-सु हल-सु ओहरी मास
अटा बलेरियोही जोगल, कहली काल-सु, पावला-मै दया-बरान
देवण देवी कल्याण बरस पके-जसां धीरदियां गुण-सु बिभार
गीत गाव-सु ठरस पके । काली-काली रे बीरा भ्रांरा कावसिपै
-री रेख, मूरोडा बुरा-मै अमकै बीजली, अच घर आग्यो
वसदेव जी-रा सीव, रामरयो पररायो खेतां थारै मेह पबो
जे गीत भाई-रे मीतर बैनक-यो संधिको प्रेम पैदा कर देव ।
सामां तीवरा-रु तिहार आर्य अह काला करवलां मावै अटवी मूखी
पीठसिवा पलाय अमोला तंग कस पटा-र मोरां बेल-री बहल करल
बहनां रा माई आव-आप-री बहनां-ने सासरे-सु आद-मै नावै ।
किसाक आख-संग-रा दिन है । हली हल बावै, मीठी रागां-सु
तेजो गवै । ठोरकां-मै रासां सु बस-मै अरे, कबीली सजकारां भरै-
नेहो, नेहो ! पबी धापै रे बारो ! पापरो पापरो ! हरता अट
डिग भरता हो-सी-मै मल हली बीजे । ताव-सु किठे अर मेह मई
मोहोकी अटां ओसरे । पल ! हली मोठी आस-सु बावता ही नावै ।
हेक-सु पाप-र बरसा ही जमे । अति बेलां गंध कबी मीठा-मीठा
मोरिवा बोली बीर मबरी-मबरी सुरीली राम-सु गीत सुखीजे
हली अर अट-सु अर-मरीजे । लुग-सु रे सुख-सु किछोटीबता
गीत सुण-र अल अल अने भातो अल है । मीनोही मोमी
मयवार-रा-रे गीत-सु गु-र अटे-सेला माक ! कंकर-री कुल

बायी म्हांरा राज, जोडी-रा होला ! काँकरडी हथ बायी
 म्हांरा राम । अल्लगला घोर-रै नीबला कुगा-बहगा-सू राग में-रग
 मिले— बायी गोरी-रै साहेबै मिरगानैबी ! थारोके फठे लागी
 म्हांरा राज, बुद्धलाही मरव थ थारोके फठे लागी म्हांरा राज ।

दिरब्यां-री मोली-मोली टाली इसका मीठा गीत सुनै पावजां-रै
 ओले चिक्कल्यां बरबर करती गीत सुनै अब अगल, मंगल-मय
 हुम्माबै । कलायल अगली-रो राग-राग-में कुरी अगमग कर देवै ।
 मिनल जमारे-री ओल उमंग रागरंग सगलां मुकां-हुलां-री देवास्त
 कलायल ही है । मुरधर-सू भी-रो सहीनो साक है । भिये नाते-न
 सोइय-नै बजाइय-नै और सफा मिठाव थ-ने कदेभी-कदेभी कास-
 नै ही जगां छाव ग्याबै पण ओ समथ न दूटे स न दूटे ! कुरदसियो
 कात्र पया ही करको कइकयो पड़े तो के भिगड़े ? पैलके बरस-रा
 धान रा भरिचोका कोठ और पास रा डिगलां-सू मुरधर रो बाल-बाल
 कास सू बरै निकल ग्याबै पाछी बपरली छत आबै जथां कलायल
 मुरधर रै बीच-में ओषो ही कोनी मावै बरसखी सरु हुम्माबै
 धान लण बियां जम ग्याबै पाली ओठ मोठां-सू काठ बोड़ देवै ।
 के कहखी ? दियाली, होली, गबर और बासोका मभायोभि, धा-में
 भाखंद-रा गीत गापीजै, बाकी पीसती दही मबती माठा-बहमांवां
 राजा करण-री पैला राम-रो मु मधुर रेखां छड़े दाँतण भर कोरी-री
 सदां अयेवै । नागलां-में से माणस हव-सू मीठा हरमस गवई,
 देखले-सू मासम हुम्माबै के कलायल-री दात सगली दात्यां-ने मेक

जाँ आयाँ बिना काम बिगड़ियो ॥

कमाव बाँचता पग झूठी मत भाव्ता ।

- (५) आया कझायख भेय हा, करना राता-रोख
फुरती-सु रातो-रात, काम करी तीई—
राता-रोख आछी कोनी, राता-रोख कर बेबो ।
- (६) भिसे जोमर आया कझायख, बरसर बाबी मार अण
मौके झुपर काम हुवाँ कहीनै—बाजी मारनी ।
- (७) होव कझायख आछी बीछो कोहाँ बीक
बदे मरोसे भावे कहीनै—कोह बीक है ।
- (८) अक बटुके हू मलो कावर नैय मलाम्य
बेचारा—
कामय केई सापना हिरण बिछाँ जो कय ।
अक बटुके हू मलो पुरियाँ आगम्य जाय ॥
- (९) सिम्या आँची झूमटे, आया आझियागोल
जोर-री आँची-रो बलाम्य—
आझियागोल आँची आँची पछी मेह आबो ।
- (१०) बाक्याँ जोड बमारो हाकी, हाकाँ बीछो कझा
बरसाकी मरघोका पधुव त-री याव आबे बया केई—
हाकाँ-मेँ बीछो कझो है ।
- (११) काव एहाका खेताँ रहसी कसो अबायो सुकसी
काव एहाका मर आसी जगाँ बीछो कय आपी ।

(१२) माख मल मीन राखली

जेव्हा आदमी कोई काम सुंचे, आमीवालो करे कोनी
जण्यां वो पूछे—क्यू ? जव्हा जबाब मिळें—मीन राखली ।

(१३) मिरग बाबिघा जोरसु, रोदण तापी तेज ।

नांव भस्ममयो कोदियो बरसण बोकी सेज ॥
सुगमिण ये हवा, रोदियो मज्ज में कदाही रो ताव बो,
कोदिये सुग-रै दिन जोर-री आंभी जे बरखा आसै ए
पक्का सेनाय है ।

(१४) जूगंतैरा माझला आबण मोग हुकास

जुगंतैरो माछलो, आबसैरो मोल ।
हक करे जे मज्जली मदियां जहसी गोल ॥

(१५) बावळ कर मिरमी करी जाली बरसण आस

हुसमण-री किपा पुरी अली सजन-री तास ।
बावळ कर मिरमी करी जव्हा बरसण-री आस ॥

(१६) आभी जल-ये जोर हे जळ भर जांद जलूर

कु जळो करवो कस्यो सुरज-रै जोफेर ।
सुरज कु जालो जांद जळीरी दूटे पोरा भर दे डेरी

बीमलुधल-

✓(१७) दूधां बरणां होयगो आमो बोधो पंड

बावळ पुज्ज प्यावै, मोलै आमी-सु बरसणो बने नही
जण्यां कवै—दूध बरण हुग्यो ।

सु रेबख-रो केबै है । कबों ही बठे-रा जान अर कामख-बाखिष
 आप-आप-रे काम-री आस माभै रबै है । कलापख भाषां जेकमेक
 हुक्काबे, दूज-में राखे धी-में लाबे गगनां जेस्थां रे बारसि मोख
 पदाबै ।

सुरखर मंगल करै कलापख
 घर घर आकांक्ष करै कलापख

सुरखर-री सरबस कलापख ही है ।

साहित्य-परबधे । आ पोखी बडी ओह हिंदरे सु आप रे कर
 कमबो-में हुंते बडी आप रे मना-रे भाव । नै बाली-बोली मुख रही
 है, धी-रो नाब, ही कलापख राखो है । जे राजस्थान-साहित्य
 लेख-रा रिमाल, राबत मुख-योक्त साबत, कमाअू किरसाय
 आलीदा अगुव, बालीआ बर जिहा आका पाठक ह्ये पोखी-रा काह
 कोठ करसी तो महुन कलापख जिषां आ पोखी ही मनु भावानुपनिषां-
 री मानस-रबकी-में स्नह-सरिया-रो प्रादुर्भाव करसी इसो भरोखे है ।
 बिसेस बाबख-आला महामुमार्त-ने दाब-बसा आ गवाबै, बठे ही
 लेकठ-री खेडी कहसाहीन ठेका । मल्ले के ?

आमू (बीकानेर)

आव-री सीमा सं० १००५

बारो हामी

नानुराम माठर

हां आयां दिता काम बिगड़िबो है,
कागज बाँचता पग खूँती मत पाव्या।

- (५) आब कलायण भेब जा, करजा राता-रोज
फुरती-सु रातो-रात, काम करणी ताई—
राता-रोज आली कोनी, राता-रोज कर बेबो ।
- (६) भिसे ओमर आब कलायण, बरस'र बाजी मार अब
मौके खुपर काम हुवां कहीनै—बाजी मारली ।
- (७) हेब कलायण आब'सी बीसो सोहां लीक
बहे मरोसे मयै कहीनै—बोह लीक है ।
- (८) आक बटुके हू मलै डावर मैण मलायण
बेबारा—
कामय केबे सायब दिरण भिसो पो खय ।
आक बटुके हू मलै तुरियां आगलु माय ॥
- (९) सिमसा आंधी अूमटे, आब आसिबागेल
ओर-री आंधी-रो बलायण—
आसिबागेल आंधी आधी, पज्जै मेह अबो ।
- (१०) हाक्यां बोह अमारो हाकी हाकां बीसो इगरी
बरसाकी मरचोड़ा पसुब'री बाद आबे अयां केबे—
हाकां-मै बीजो इगरो है ।
- (११) आब यहाका खेतां रहसी लको अपाखो सूकसी
आब यहाका मर अपासी अयां बीसो हुय्य ल्यसी ।

(१२) माय्य भय मीत्र रावणी

जेव ज्यहमी कोई काम सु पै, ज्यगीवासो करै बोमी
ज्यां वो पूछै—क्यू १ जव जबाब मिळै—मीत्र रावणी ।

(१३) मिरग बाबिया जोरसु, रोइय तापी तेज ।

नांव भयूमयो लोडियो बरसय्य बोडी जेज ॥
सुगरिअ मै हवा रोडिखी नसुत्र मै कडाके रो ठाव बो,
लोडिबै सुग रै दिन जोर-री ज्योधी जै बरसा ज्योषी रा
पक्का सेमाय्य है ।

(१४) ज्युंगतेरा माछसा ज्योथय मोग हुसास

ज्युंगतेरो माछसो, ज्योथतेरो मोल ।
हंड कहे जे मज्जुकी नदिया बहसी गोद ॥

(१५) बादल कर मिरमी करी जाली बरसय्य ज्योस

हुसमल-री किधा घुरी, भली सजन-री ठास ।
बादल कर गिरमी करी जव बरसय्य-री ज्योस ॥

(१६) ज्योमे जल-रो जोर है जल भर जांद जलूर

हुडालो करको कम्यो सुरज-रै जोफेर ।
सुरज हुडालो जांद जलरी, टूटै घोघ भर दे डेरी

बीजसुबल-

(१७) दूषां बरणां होयग्या ज्योमे घोडो पंड

बादल पुल ज्योथै, घोडै ज्योमे-सु बरसता धरे मही
ज्यां कहे—दूष बरण हुय्यो ।

- (१८) गद्दी छारखी सू गयो हरल गद्दी-सू हार ।
फसल अथवा और फसलो हुनै लव कहीमै—
राजद छारखी गद्दी गयो ।
- (१९) गिरमी बिबी गमाय अन्न बाजता डोडां ।
हिम्मत माथै—बूख बाखो ठाकरो बाजता डोडां ।
- (२०) हाथ गयो बन्धमहि बाकी देखि बारो
बीजरे किम्वत् करण पर-छाडी देखे बारी गयो ।
- (२१) ओझा इन्ना होख
ओझा, कुडी होख भर बाण्यै पर कहीमै—इन्ना होख है ।
- (२२) करै न वृषो अमरो पिलोहेरी होख
बरसा बरसता पाय किसान सब सोव देबै और कबै—
फुरती करै अमरै-नै अमरो कोनी नाबहै ।
- (२३) अन्न भर आम्बो बीर
बौमासे बहमा-रै गाथै-रो गीत ।
- (२४) क्यूँ हंसिया इल बाय बाबल । राजो कंस निनाय रौ
इल बाय हंसिया कंस लेसी कसिया (निनाय मुरिकछ है) ।
- (२५) गम्याओ गिहारां करै, बाग बहर बिसमाय
गम्याओ गिहारां करै, मयाओ माथी माथी ।
बेवह-रां गुणगिया-रै मर्मी-नखी-मै पाथी ।
(गाथ बरान्छी सोरी, बेवह बेमोः)

- (३४) रतनसो-में साँवरै जावू बीमा राज
 हफ पर गाये-री होली-री घमाव—
 जावू राजया रे । साँव दिया रतनसो मीना !

सुरघर मंगसु

- (३५) सत्तर सत्तर मा करै मांगखहासा साठ
 झूटो-तो बीपरी आयो घर कोक जाट-सु बोल्पो—
 बीपरी । तेरो झूट बेचै तो सत्तर (५०) रिमिवा
 में ले जावू । जहाँ बीपरी बोल्पो—सत्तर-मत्तर
 कोनी जाणू पूरा तीन बीसी (६०) सेसु
- (३६) तीन लोक सु मभरा म्यारी सुरघर सोमा छोइयी
 बिसेसला बतारै जहाँ—
 ई-री तीन लोक-सु मभरा म्यारी ही है
- (३७) घेर-धुमेर बीपली सिरछा
 कोक राजस्थानी गीत—
 बाप बह्या जा मभ रानी बीपली बी होय रवी घेर धुमेर
- (३८) पत्थर माहि फूल लाम्यो
 कठिन बात-रे आयो पर—
 नारायण लूठो है पत्थर-रे फूल जगा देवै
- (३९) जाट आगड़ा जाट जकाँ-रा काम जकीमा
 जाट नै जठे-कठे ही इधे जाट-सु खकदाव नियो
 जावै है—के परब है जाट आगड़ा जाट है

घरणी घरणी रूप तासो हरणी, खेत निखाणी, -भार्गीरथी, मुरघर-री
 गंगा, जाहनी, सैस-री बहन, जुग मन माठी खोगखो बाता सिर
 बढनेतखी लूठे धिराणी, विपख, मराणी, बोख, मेढयहार
 जुनो प्रेम यथावणी भाभो रूप जगावणी, भीड भगावणी, बाव भी,
 मानवण सुख भोगावणी काज अरोगणी, रोग मेढखो, काज-
 कटखी मटखी गरीबांरी आस पोखणी उठयही भागली दिव-
 हुजसावख रागली तेजो गवामणी सांख जवेस पसिहारी
 काखी नागणी फोस पु फाणी सरणी आस जगावणी भाडी
 करखो भाड, भूरी मळी भटकक कसाव, दाह देव । त, भूरी मूली
 भावणी पाप हुकाव सा कटखी सुरग सा सुख जावणी राम-
 रिखाणी सुगणो मुरघर राखणी मीर पावण पोचख मावडो
 छोटै रूप पंवर मरखे बासिबां जाली रुप देखो नीव व सुव देखो
 मेहाणी, कडकती काजका दातार देखी ।

आमी मंछोडी जाव ती कसायख-री रुपमा

बावळ — फु मडळ । कागोळि यां—पूधां—घोर । घोर—छाप ।
 आम—वन । आमी मळी पटाय तोर—देखख में छाप ।

पोथी-रा परिवारिक नांवां-रा विसेसख

| | | | |
|---------|---------------------|---------|-------------------|
| देस | बूजल | फड्डो | वेस ब्यू |
| घखी | राम-रा, धम-भोतार सा | सास | साबतरी बा जमना सी |
| धखियायी | इया-धाम सी | ससुर | धिरमोद ब्यू |
| पर | देवी मन भाणा | कुटुम्ब | सो मोद ब्यू |
| बोठ | बोसा जानख | पति | सास-सपूता |
| मेडी | मनोहर | परनी | मरव ख धख गौरी |
| पुरम | मजन | धुत | तेरबो रतन |
| नारी | सत्या ब्यू | धीव द | पू-बो धीव-बो करवो |
| बाल का | मेम बतूबा | धास | सोव ना |
| मरव | अमराव सा | धाम | सोव न |
| बहां मं | बल ब्यू (कांवा) | धीडा | काल-गुलाब |
| बाप | बल हरजामी | दीर | गुरव बी |
| मात | रातादेवी | बोछी | पतळी |
| धीरा | राम-सपण सा | तेबद | वीस-पटीस |
| बहनां | बाली मोली | बापमही | सबपच |
| भौजाभी | रापका सी | दही | बठमछ परवर सा बाबो |
| नणदस | मराराव | धान | मृ-बो |
| बनोभी | गावदमल सा | भोजन | मधुरामृत |
| रम्पति | भीसर-गोरो सा | पाणी | दूध सो |
| अजल | मलमल सा | घोडा | पचकम्राव |

| | | | |
|-----------|----------------------|--------|----------------|
| तेजी चोका | पून-सु बत्ता | रथ | रथमुखा |
| | करये वाछा | बिरुवा | रथवती |
| भूठ | सुरवर-री काहाज, हाभी | इकीम | नीम-धा |
| छोरो चाख | सबपन जोचा | बोख | मीठ |
| वनवजन | कस्य, रा कुबेर | वाय्ही | पाखी-पूरी सूरी |

कंवारी लवकियां माता गवरण्या-स भेट पर मांगी
जका सुलज्या बरा-रा बिसेमब

पातखियो सिरवार चोहे रो असवार भूठ-रो अठ्ठीयो,
इकीमी चाखवालो, जूही मूगै मोख-री पहरये बाखो,
बैरियां-मै बिदरुप (कास) बज्जै बर रो, सुर केवयो,
मूठ-रो त्मागी करवार-मै सेठ, इल-री काज राखयो,
काठी काज-रो बिरियां-रो पर बीर परमारब मै भगयो
स्वारय त्यागयो जाग-नै प्यारो जागयो काय-अवदा जाण्यो
बाखो माया रो बजबीर, फोत्रा-रो मांझी मोत्या-री मज,
जबमाख बाखो, पचरग पाग बाखो, जरा पर पराभीत गू
पह्ये बाखो माजीयां-रै जरयां-रो चाकर, मेम भरम-स
पह्ये बाखो 'थोव की रीस' बरां-रो मात म्येम-रो हितैसी ।

कुलक्षणा बरं-रा ठसुटा व भूखा विसेसख
 गका-नै टासुणै वासै कंवाती सुडकियां गवर
 माता-सु' विनती करै

करमैण कुलछयो लुसठ बेसुरो रसोषी-रो पण,
 लुगायां लुम्बो लुम्बो-रो छैल मावेकां वूचको अमजिया-
 अगखो होष्टी-रो हम्मीर, कासो कागखो, दुकुराभी रो दूठ
 ठगी-मै सांठरो, काखो कोचरो बोधी हाज्याहार, वपम्बाभी
 सेवयो मंगठां-नै मचकायै बाबा मूरक अकदबाज,
 अमहुँठी भाकख बासो सोध्यां-सु राव करखै बासो
 म्नेइ बचायै बाबा कडूनां कट करखै बासो बीनां-नै दुल
 देयै बासो लोग हसायै बासो।

दूबा विसेसख

गर्बद मुगल वल — हाभी रूप मुगलों का समूह।
 चिरम-सा — छाव। हजारी — आजीणा हीरो तोली।
 ठावको — रावख-रो सो रोस। लूणां — रायस रूप।
 तर — देव। बावख — बागर सैम। जाँठ — तीर।
 फाँक — दुहाभी। : मुरवर-ठांका, पाँचव। जव — मुज।

किसान — सुर । बरखा — बभीराण । सीझा — भीरव ।
 मुरवर — पांडव । यणराय — प्रोपती । बाणो — हुस्टी हुआसन ।
 सुरज — किसान । पान डगावण — भीर वधावण ।
 सीत मजावण — हुस्ट वधावण ।

विशेष वण और उच्चारण

| | | |
|---|----|--------------------------------|
| ६ | जे | ये (हिंदी जैसा) |
| | ख | मृषम्य ख |
| | व | वर्षक व (जैसा 'वम' में) |
| | ब | वर्षस्वर व (जैसा 'स्वर' में) |

कलायण

| | | | |
|-------------|------------|------|------------------------------|
| દેવરુ | ઝીણુ દાન | કરી | પરત્યા ધારમ્ । |
| કાંઠાપારી | કાંચ | સદા | વર જારજ સારમ્ ॥ |
| પારો | કોઠો નોર | આપ | સમદરિયા સાધૈ । |
| ધિમરવ | ઝિસો વણાવ | ફેર | જુગ-મેં બરસાવ ^૧ ॥ |
| સાવર । મેરો | કામ સારો | બરજ, | પરજ બરહી બહી । |
| સેવા વણી | વણી-રં કમી | વણી | પ્રમા જુલ-જુલ મણી ॥ |

अमस-ओग

सुरघर-में तीन रत्ता मोटी मानीये—परसा (बीमाछो परसाछो)
 सरही (सीयाछो) और गरमी (ऊनछो) । बरमा-में पाखी बरसै ;
 सरही-में पाखो पड़े और गरमी-में गरमी-रो जोर रैबै
 कइसी कइसी तो मोठ-रा घर सामा हीन ब्यावै । जां दिन-में
 पेठे बरतां ही बाजो बंध जै । पण जी-सोरो करवायाली
 काही कलापण-रै आखै सु पैछो पसबाहो अकलै-रै अयोग
 ओग-रो इ, ओ-रै पाते ओ पोथी-में ही अमस ओग अम्याय पैछी
 पोत राख्यो है । बैसाख जेठ अर असाह आं तीन महिणा-में गरमी-रो
 पितर बडे बेग-सु जै । कछांभी तो पून वाले ही कोनी कदास
 कछांमांस वाली हो मिठी सोटी वाली के अघावणी आंभी ही बस
 म्यावै । इछ दिन-में आली जीया जुह आकल-म्याकल हुम्यावै
 निरक विहर ग पड़ ब्यावै पाणी पतास में लुठ ब्यावै और पसु-पछी
 पाणी-री घोस-में गैछा सा गोता ब्यावळ बाग म्यावै । अंगल में पछा
 इ बिनाबर सिछा भरता मोठ-रै घाट उतर म्यावै । केसी-केसी बिरियो
 तो पून रै बिना प्राणी अमस-में बिठा आइली के नींद आंभ्यां में निस्तर
 म्हारी बण म्यावै । बिसे ओसर माथे मिनल उठ-सुबारे कलापण-री
 पाट मोबै सुगम-रूपमा पितानै और बरोदर केत सुपारता रैबै । पस

सो कोसां बीजम् जिवै, जां-रो मिथो सनेह !
 किसना, सिसना कह मिटै, भांगसु बरसै मेह ॥

भाग-योग-सु पणधोर घटा पुन, क्याबै बड़-बेदय-में बेतो सो
 बपरा बैबै तो किसोक रंग मिलै ! बकोधायो वाञ्छलु बेतु पै
 मिलासी ! अठै पत्तस ॥ मजा कठै ? अठै तो पैयो ही परबड़ो है ।
 बको मिनसां विगड़-या मैहवरा सु लखां-री जै'र रो बजाय बयानो
 है । औ रै पछे बीज-बेज, सर्ग भाव'को सेतजो बरसेजो बर
 लुपां अठै नहीं सापेजी समर-रो औ बूझो सांको हुन्वाब'को

सूब ! किठ लुठ जाबसो, पाबस बर पदियांह ।
 द्विदै बकोध मार रै बाखस बीजदियांह ॥

मिठी छंछी लुठे है, अये कजायस-सु करस्यां-रो जीव, जाबै है ।
 वसां न्हे बसां सु क्यू बरा ? म्हां-रै साते मगार कजायस है । हरदम
 म्हां-म्हां हाथ टाके है ।

बेको जां-रा बाका
 कह बा कम बयाबै कजा ।
 बापी बैसी असर पोरो
 मुरपर थोरो है पै बोरो ॥

: १ :

श्रुमस-धोग

| | |
|-----------------------|--------------------|
| मिनसां विगलपा र्हैररा | बिने जिनावर थाड |
| पंकी खुडै जवै-वरा, | जंजड़ बाटा बाट १ |
| दिन होरा अमस-गरवा | काठां हुकका देल |
| 'गिराणां बिसी अछाड-नै | आंगलिचा-री रेल २ |
| कीकर-कीरां कूमठां | जड़-मलकड़ मुंडभांस |
| वन पंचक, बीरक बलवा | फोगी भोग, फरांस ३ |

| | |
|-------------------------|----------------------|
| सुरवर मंगल रूप | जठे जंगल मल भारी |
| इंगल घोरा, डेर, | मेर मुरहा सम्भारी |
| हाम्बवा मोमी-आग | अलक मांती-रा साय |
| घोरा बहरी, ताक | पान्क, परबत बेचारा |
| मुरट, मुरट घामण परा ना, | भूधां घोरा पास है |
| रीपां पीपां फोगवा-मै | ठूठां बोवा टांस है ४ |

| | |
|-----------------------|------------------|
| बूठ जमगण ! मुर परा | पूरण आशी आठ |
| तो रुठधां रुकी रुतां, | मीनां बाटां मस ५ |

होसी जठ नाबरी,
 रासी दुनिया दूर-री,
 भोम मोम ब्यू गळ रयो,
 मोमम भावण रातदर्या

बाधी मोभी पूठ
 करे कसायण । कूठ ६
 भूमस-भोग अयोग
 दिवसां दामे भोग ७

येनो कर पित मांव
 निरंगी सो वखराय
 छेदे हाडी आय
 मोरं मन हुबखाय
 पुरा नगाय गैरी पुढ्या
 बादा म्हाळ मित्रोळ मरणी

हरल-यू आव हठीली ।
 बळावठ रंग-रंगीली
 दपिळी । वेत्ती ठेका
 मनेजण । सुणम्या बेका
 भूमस भूनालो मारली
 आव वखायण । वारली ८

जेठ महीने बार-री
 नंर लुखयो कोयल्यां

वयळू बू बाडी
 ब्यू ठीकर ठाडी ९

भांस्वां भाडो वाव सो
 वेठा मीथी म्हाड्या

सुख्या अयसुहा
 तिस मरता मिरण १०

बिरसां विझळा सुवटा
 गापां धावां-सानक्या

मोर कुचटा केव
 सोख्या भूभी केव ११

हरण रबे ना रुक,
 री पुसर ना मिने

सुख्या धगळ सावा
 मोसादी-वखी तिचारा

बाळक रोबी गोव
 मात पळुमे माध,
 मूण। सा बाळक हुवा हे
 मांजा पर बूढा - बहेरा

डसाडस अमस-मळी
 पसेबो बाक्यो लाखा
 काय लुबा-री ताप तल
 सिसके तपती वीच वळ १२

अमस-जोग तम मायसा
 अपड अजायां पमचमे
 टावरिया भाक्या वने
 बळता पांन पसोड ।
 छायां आयां छोकटा
 भिसवी ताती धूड ने

कुडडी-फेडा होप
 रज्ज सुनी-री टोप १३
 मळती ताती छाप
 पोटा-मे बिरलाय १४
 पग ठंडा कर बस
 टावर निकडी खेप १५

पास मही मर-पेट,
 मळ कोठा हे सोप
 सांढां टोढां ठोक
 नीर मिळी तो मिळी
 गंडकडा गळियां फिरे हे
 ये मौजां अण्ण दिन करेसा,

भेडक्यां बीटे मूली
 लेखियां कर १ सुन्नी
 दुळककर पूवै आया
 महीं छे रबे दिसाया
 विसिया ताप्या दाबडे
 त्रिया दिन परसा बाबडे १६

मूरे आमा जीववा
 अमळ अनासी आग में

मुरपर विन बिरला
 अण्ण-मुख अण्णियारा १७

आँखें आँसू पूँछती
आँसी अँसु अँसीक पर
बिन बल ब्यूँ होबै कमल
सुन्यो सारो सोरलै

नारणों निरख रही
सजनी । समझ सही १८
बिना बाँह ब्यूँ रात
सुरपर काँहो गाँव १९

हाँगर बाँछों आव,
लोढ़ा-में के काव
सेबड़ियाँ-री बाँच
पाणी-रा भी बीब
हाँफतही हूँ-हूँ करे हे
आँही मतबूली नयीली

घरों ही रहै पछा है
सिखकछा गिरवा मिरवा है
मैंसकवाँ नाकनो हाँगे
हाल है सोढो आँ-गो
बय गरीब ब्यूँ याबकवाँ
बहल कबलकवाँ बाबकवाँ २०

आस सदा-री आप री
कहा अँझावों अगला
हे बरसय बोरी मरा,
करे कलकवय आवसी,
बित में राखों नाकसु
अँना देखाँ रात-दिम

आसा-पुरख आव,
बीबय मतो गमाव, २१
निस दिन बोबै बाट
हुलका बैसी काट २२
कहा हुवाँ क ही
आस रिबक - रोटी २३

सहराँ करिय भोग
भूमस-भोग अबाव

रोग-रगडा-सु भारी
अव नाखी बेमारी

स्याद्द्वारं मोत्र
 बलमया गरमी मांघ
 तद्वत् गांधी बीष मृगी
 शोच युष्मदस्य आय कञ्जाण ।

लगी पंजा-री नीचे
 गरीबां बिलमी बीचे
 छामद्विषा-री छांय-में
 पाक ॥ गूँठी पोय-में २४

अमर्षं घबडिषा घोरिया,
 आप कञ्जाणय ! मेयम्या
 छल तप्या है ताबकां
 मळ गयोका मानवी
 'कट' बरा-रो कट है
 हुग-मम-माठी जोगणी !

बहरपां विगडपो होल
 करणा राजा - रोस २५
 मळ बळ बम्बलपा सोड
 थब तो पाझा मोड २६
 कर सुरपर पर मैर
 का है ठंडी लैर २७

सुरपर मंगल बैस
 कर विष्णु आसाह
 विणवी मुख गहारी,
 सुख्या पूबां कोठ
 आ बळी- 'बमाली' बेरी
 पुजवी घर पुंकोले बारण

दुईलो आपां धारै-
 बरस सुर साम-सबरी
 अने आ धारी बैबां
 पद्म है राजा लोकां
 बाली बोम्बी ली करी
 अण, अण्ड कमल मरी २८

धरे होचरी ! धरे मठी
 बटपट हरियो हावली

आण ४ सुधे भट्ट
 अण्ड सुरपर बट्ट २९

सगर्वां शिर्यां-री जाकी ।
राठा सिरे कथायणी ।

दुहां कर दे फूडका,
मुदहां दे सुल मोकणे

हुहो नसाय्य रोड,
धरणी धरणी रूप
हुही विद्यायी केत,
आगोव्यां छिटकाव,
हुही बिचना मुरधरा-री
हुही मारव मा'देव है

वेगी आ बड-मोतयी ।
तू आसी बव कडसी

हरिबो लुको बारसी
बेव नटपडो पैरसी

कोर-कांगरा पळकसी
पापस पगडां मळकसी

कज्ज्यो खी संसार,
बीमसो चित चेत

सरा शिर्यां ही आम
कुसी बरय्य लीरान १०

गूडां भर दे आम
गूडां बीव्य-आम ११

मौब मन मंगल करवी
बूप घर तासो हरयी
देव मुरधर हरिबासी
दाम-सु हो भववासी
छिछमी केडां-री कनी
भांत भांत व्याधी मरी १२

भोमी मूँडे मेळ
कामळ - टीकी - रेक १३

धरती रूप कमोड
पेथी - दुगचा खोड १४

आमूसय रिममोळ
जगडां करव निमोळ १५

मीत्म रुत करवी मारी
मूजिने विपत्या सारी

काम करे किरसाय
 मिथे न गरमा-साय
 हीन हलोला हरल-य ई
 भिमै मोसर आब, कलायण !

दिबस भर खेतां दोरा
 सांढ पर आबै सोरा
 पूर्यो सी परबार सब
 बरसर बाजी मार आय ३६

कर भिखो गाथां डुरै
 लेय कलायण आबसी

रोही सिवां अहीक
 भीखो मोहां सीक ३७

लिखा मिथ साक्षां चिह्नै
 बाक बटुकै लू भट्टे

भरम भरम न जाण
 बाबर-नेण मलाण ३८

अजमा-रा ब्यू पापड़ा
 लू ही दुम भीषा-लणो

बाटण गंगा माय
 काट कलायण ! आय ३९

आय दुमपण आय
 भोमी भगवो हूयो
 इमा ठासी दूठ,
 मीणो-मीणा लूग
 दुपार-मै लग दे लूठी
 ग्यो पान निपा दे रीतां

माय घर ठंडो पम्पी
 नही थारी मैनाली
 रजड़ी आबै ग्याली
 बिपां सिर पांगे पाणी
 बोधां बाग मासही
 मिटा बिमाणां बंसही ४०

धीब चलावे धीब घर
 गाएण गुरांगी कपाबनी

रागादे री रीम
 राग - रग - री रीम ४१

नीमां पर पाकी धणी
सावणियो कइ बावसी
सावण कावण रीबकी,
बरसावण मे मोकड़ी,

मीमोवणां रस-दार
मांकाण हीठ मलार ४२
कावण बावण - काठ
हीठ हिंकावण मांठ ४३

गीत

टोकां री होळी सी ब्यासी
सावण मुख कपजावण सवरे
बसा-दया'आमि पर वावण
काव-काव पाणी भर देमी
पहिहारयां मिळ सुमझुम-सु
झांडां आसी तसी बरपासी,
कावके पीर सुमसी कंचो
सुरा-री कृपणी केता,
झंडां बबरां सु हाखीया
पेमा कइ कइकरे भावण-
हरी-मरी मोमी हो आसी,
देहां कची वेसां बबसी,
झग झगीठी सिटी मोरणां
हवे पारे मृपा होसी,
मूस-पट्टा मतीरा मिळसी,
भर गायो रो दूध-दही-पी

सावण बीरो मेह बरबासी
मेहं रो मांम्रीको आसी
गिरी वमवम चोक बबसी
'कको कको' मोर बोकासी १
करी रो गली बोदे बासी
आमखं मरी हांफती आसी
इणपिच भटपट पाणी ब्यासी २
भातो से मतवारण जासी
इक बांबलबा तेजो गासी
मणवर्तनां-मी बीज तोपासी ३
लैत-लैत वावर बरपासी
कावरिया मीने फिर बासी
अद मारी जिबको मुख पासी ४
काव-सु कावदिया आसी
लिजसी लैत दियो हुसपसी
आया गया बटाक आसी ५

सावयु बीजे-रे स्वागत-मै-
 सगा भावदण्डं कुल-मेवय-जै
 वर देजो तु सावयु बीजन

बिना लड़ी राखदया पोर्बे
 ऊची आमे कानी सोर्बे
 बारो मास रबै मीजा-सी ६
 सावयु बीरो मे वरसासी ४४

छियमिया गुंठां मेह
 करवत मीगी मोम
 नणद-मौजायां साव
 निज जासी^१ से केत
 खद सुख पासी जीव नारो^२
 मेह बचाऊ ॥ बेला-पुंछा

सुरंगो सावयु न्यासी
 बीबटा हल वरणासी
 गीतका मीठा गासी
 पयो दिवजो हुजसासी
 केता ही-ने बाबसी
 भरण भरय मंडराबसी ४५

का आखंड असाह-रा
 अर वसापय ६ का अर्बे
 मिम्यां जीर्णो इमटे
 करसी सुग - करणोपना
 सीमा रावदिया री,
 ६ बिरसाया-य डीकरा

बीस्यो मीनो सेठ
 सुरपर सांसो भेट ४६
 काय आशिया - गोख
 कोस गुप्पनी कोस ४७
 यम-वम 'बुल' जोर
 सेत सुपारे खोर ह

महरी बसाया-य मिन
 इनाबे हर रासता

मीजां माये लू
 बाग - बगेबा रूप

| | | | | | |
|--------------|------------|-----|-------|--------|---------|
| वाग | परोचा | दृष | ऊन | घर-सु | आ बाबे |
| कृपा | बाबुनियांह | | महाय | मो तेव | बागबरे |
| बोझी | घोस्या | अंग | कमीजा | मरीची | बहरी |
| ‘गरम ! गरम ! | तोड करे | | कलायण | कोडा | सररी ४८ |

| | | | | | |
|-----------|-----------|----------|----------|--------|--------|
| घर घर | कसही | बताही, | गयो ज | कुळमी | जेठ |
| आस-नीद | हयक-बो १, | | पुगे | लेठा | ठेट ४० |
| लेठां | रेठां | बळबळी | ठापी | हडे | अलंड |
| घन-में | मधुर | मरीरिका, | फिरसायां | तन | ठंड ४१ |
| ऊपर-ले-री | आसही | | ऊमस | गिणै-न | बोग |
| वूडा | अडे | हळफळा | फळकारे | कर | फोग ४२ |

| | | | | |
|------------|--------|---------------|--------|-----------|
| लेवहनां-री | छांध | वसठियां | दिस | हवाई |
| असमीर-सी | मौज | भूहसा | करे | बघाई |
| आयू सिमळी | मिछी | छांध | मन माण | छवीची |
| आखो | बाकी | बळा | कूळवां | मरी |
| खग | करी | लस-टाटियां-सो | पुडू | ज्यू ठंडी |
| मुरोपर मे | कोरकसा | देवे | कांयां | सुळ-री |
| | | | | लूव ४३ |

१ जाऊन वीर विद्या-ने बोले, कोर ने बोले कांजी ।
 जाऊ जनी ने कुठ-ने बाहे तिथि-ने बाहे हांती ॥

घोड़ो जुग में लीवखो
 क्रियण हुयी न्यूं कोठखी
 गिरसी खा बैरा हुया
 लूण - काय लुफ्तय दे,
 मुसरो करसी बाबूक-पां
 खासी लखण बिजोगखी

मुडलो सुखी बखाय
 किरपा-करणी माय । ५४
 गिरसी मल भरपूर
 बीना-सू कर पूर ५५
 लूण सैंसु हार
 धरं नबेखी न्यर ५६

धरा लो रबो धीर,
 नेरी पीक पिछय
 पाखी - पाखी हुयी,
 आव लुणारे मांम
 अ-पद पावपां कल-पन-करणी
 मय गबोका माणसां-नै

सीर वु सोच बिछणी ।
 भाव दे मीर नराखी ।
 मुरपरा बाखी आली
 गलै न्यू नगरी काप्री
 जुग पर छापां कर बर
 धर निरय दे मुरपरा ५७

बपरदे-कर आवग्या
 मुरपर मनसु बीमबै
 अलपसि हुल अजग कर,
 धिमरत मीर पिछाय दे
 बूना प्रेम बखायणी ।
 सेस नैस होजावसी

ओल मेदण-हार ।
 छे-सु बारवार ५८
 मुरपर-बुसमी बाबू
 ना गाले मल बास ५९
 मूलो मत कर देस
 हो आयां बिन सेस ६०

छाँड़-छोरवा बक्या
 बाछा बिमली नूब
 तीबकरी गल-मैस
 यथा गूजता छिरी १
 जाय-या बोह जमयो हाथी,
 जाय-याय सेतां देसी,

बैसग्या गोधा गोरी
 छरिग्या ११ चूमीं दोरी
 गोमै ११ जाय बिरात्री
 ताबयै मूकै ११ रात्री
 हाथी ११ जीयो जूगसी
 कको जयायो ११ सूकसी ११

छल्लताप हप जयय-या
 ठिछा वल्लतय्या जायका
 त्याह-बरस वल्लतया हुवी,
 जाहू पोरां जेक सी,
 सेतां नूजा लोदता
 जमै-सम - जयाहली !

प्रयदी रया पुकार
 जयता हूक - स्वार ११
 कुमवायीजी ११ काव
 बिजक सल्लयी ११ जय ११
 बियायी करै वल्लत
 भीह मयावय ११ जाय ११

लागी काव पराह,
 पाछी होल कुमवा,
 कोह करै मा कोय
 दिह मर दिह-सू माण
 मुरयरा मा कर राज, मानवण !
 जय भोजी हुवार बियायी !

कजावण जाय जायसी !
 जाय मर मौज पबली,
 जाय जययो भर लोया
 करै कुल बिर्न भर होया
 राज सदीमा ११ हेतका
 मरी जयाह- सेतका ११

१ यहाँको हय विर्नेय मस्ती जाती हे — 'सुर ताता गयो माया ।

सुखं हृत्तां सुवटा
आयुष्य च्छाययुष्य कोट मे

सुख्य भोगायुष्य आश्रयभा
रोग - भेटय्यी रोज-रा

नखरादी मठ नीसरो '
'नट ना' पांगरसी पर

भुङ्क्ते पपटकी धूल
मंडय क्रिस्ती मसाळ
दिन लागी बोराल
काम बिना ना क्ये

पंती - सु पाणीको आवे
ल ठावा वन - म लागे गमु

मिसहा रखा सुवाय
हल रल लैलाय ६६

भोग भरोगयुष्य कास
भोगयुष्य । अटयुष्य कास ६७

नोर करी निपट
यो भूरोको मट ६८

भुङ्क्ते चले हृत्ता
मेह नम मिले भगूला
पदथां - मे डाडा भारी
साळ सी रल आ सारी
राव-दिना कुशटा बगे
गने राधां मिरका जगे ६९

ग्याट तपे राखी तपे,
भीखे पूर पसेव सु

आयो अगुरली रतां
हल पद क्षेत्र सुवारिया

मिरग बाभिया जोर-मु
मंद अमूमयो रोजियो

वन तप-तप ठीमै
मन जल-जल रीमै ७०

सुरी असाही तीव्र
भेसो करियो बोम ७१

राहय तापी तम
बरसण थोको जेव ७२

सोग पिताबय परतको
केसी गोली पोके सी

आमूसय सुरंगा बरवा
पण्डितरी—मू मीनरी

घटादोष गैरी घिरी
बीड गल्ले रंग सांझलो,

अर अरदा कर बस फी
मू मैसइत्या मावरी

सिस्कर दिन सामी हवा
मानो कासी मागणी

अंठे-सू कह ओळरी
सीर काण सवियां तयो

अठी कमर बांध कर
फास फुफाणी सरपणी

आपी मली अहीऊ पर
मानो मूक्या भेल-मै

मैत्या मैसा रोडिया,
आमै आणू रकमडे

सूरज मये द्विप रिया
जाण राज रासस उठया

सोग बणाबै वात
सुण योल्या डस त्यात २

साबळ बैस अमात्र
पाणी भरये पोस १०

तोळा तीळा टोक
धमधम वाजे पोक ११

आवत क्याबि न जेस
पाडवियां—रै हेज १२

अठी हजोळा काम
दिवो धूळियो बाप १३

आमै धूपर आस
बेठ, हेत मन मांय १४

नाठी कर मन रोस
अबर सयायी जोस १५

अूडा टोक कलांड
धाडी - करणो भांड १६

हावी - पावी आस
होली हुकूम - वास १७

अबर बारल होड
भूत भगूला दोड १८

घर घर घम्माका हुये
बेकीडा कंवरु सभ्या,

हकी रपो फझायणो
सुर-इरा बंरा गया

अंदर गझइंदर हुयो
बरी अमावस-रात-सी

आमो अमर-यो दे-अ कर
मानस सर मन पर हुये

बादल पसु-मडलु भजे
धूआ-धोर आगेसियां

छाय लगी घन सांघ
दहपह बाँडे जीव
पूरो ठाण छागाय
बेडा दीले नांय,
आभे जगज साय अयू-ही
धूआ-मे पसु दहपह दे

मू-आं कृतां मूक
मूडा होम्या फूक ६६

भूरी मझी मटल
भूची आल अटल १००

रियो धणो मन माय
बीछे दिन री आब १०१

वह-बेतन चित बोल
हसां मरु किलोल १०२

होर-आय वन आभ
बिष अचरी मरु आम १०३

दहपह मज ठटे दिलोजा
अट-आप्या-रा टोला
पसु भय-मरिषा मारी
सेर - बहरी से सारी
सुरज आज जगाय ही
सीधी साफ दिनाय ही १०४

मीने भूरी रंग - सु
सुल सुल करती सूकती

पुल-पुल आभे आभ
अचरी-मचरी गात्र १०५

आप रै मलकाय-सु ललकारता बका किसान लोग बैठती हर
 विहारी अब पूरणा नहीं समर्थ । भूजल भोरै माये छीली बेडा-रै
 नाश-सु तोड़-चोड़ा मूण-पट्टा मतीरा फेड़ परार आप-नै भिन्न सुनो
 समझे जायै दुख दुनिया-सु डेर हल करमा है । मोदमये
 मतीरा कायै हर गीरको करमा गुणगुसायै—

मूक-मंजय हर मन-रंजय, तिसिया करै सुबेन
 म्मेको मतना लाग ज्यो, मचीरै —री बेन

सिम्या बेसा, पंढी रेणा गण्डण रीमै । डेर-डेर पंथमेसा सब
 सावड रै कमके सीनी, रोट पुवायीनै, काकड़िया छोलाबीनै और
 मलबेसी बत्तां अडै अब आमा मिनक-रो अंतस अमुय रस-सु
 रागोये । बम्भू-कुटायै, कामक्यां पञ्चायै, जकी बेसा देखी जायै ठो-
 दुलियां रो दियो ही सुनिवा-रै जीये भियां हरल सु अछल
 गबल लाग ज्यो । सांभ संभारै मोदे-मोदे मुलक्या किसान हंसी-
 लुसी सु भिन्न मिलै जायै जो मिलणो आम्ह-रो कोक अन्तोको
 भिग (पय) है । भिन्न भिग-नै सफ़्त बणावय आली कलावय है ।
 कजायण-री मोटी मइत-सु हो-तो जावते बीमासे-में लजां माये
 मल माणस सीपासी रै भुरग्यां रा, जोडां मेडां-रा आगसा ममसुय
 अपार ही पैठ बधि है । कजायण नहीं जावती-तो होसी-दियाली
 कटे सु जावती ? जोडां-मेडां-तो कठिनी अतराव ने ताकता फिरा ।
 पण ! कजायण नै किसान बासा । किसान नै कजायण प्यारी ।

आपने न जाने कैसे ? आलीस भोके ही ठहरा, आपणों ही पड़े ।
 हमो कुछ माले ? आप-ही साथे तीनों मिसा तिरार भी मेहो मूंघी
 करणन ने कटे-सु ही लेवी आपणे—

| | | | |
|-------------------|----|-------|-----|
| साबल—उ सतरह गया | आज | नीसही | तीज |
| पाज वरालू लोक है, | के | मारगी | धीज |

: २ :

८

वीजल—वेल

| | | | | |
|------------|--------------|-----------|-------------|---------|
| मिनस्यं | बेरा—बेसुके, | लगां | गीरिषा | गव |
| अगां | जिनावर | छोडग्या | विरागो | महक |
| हुरत | कोरी | छांठनी | गङ्गा—गङ्गा | गाम्मो |
| कह—कह | करै | क्योसिवां | हुरै | सुन |
| मन | | | | मोर १ |
| मुरघर—मरबल | वाय्ठां | आमो— | पोख | अधीर |
| हाफठ | मज्जठ | नीर | मू | सुर |
| | | | | तम |
| | | | | गैरी |
| | | | | वीर १ |
| मुर—यम | जमठो | बेलकर | आमो | रोख |
| ओख्य | वाल्म | बह | बल्पा, | जमा |
| | | | | अयमा ४ |
| अमर | राजा | आदिवा | गरज—सिरग | बजाव |
| हरक—हरक | पाणी | पके | पोटा—पोटा | आव ५ |
| अहक—अहक | लहक | हुरै | घर | धूजे |
| वह—वह | कनमिवा | हिरो, | पह—पह | पहवा |
| | | | | तुह ६ |
| प्यारां | हूटां | कोकसी | बरसण | आगो |
| मुरघर | ईरा | मानवी | रहा | बाध |
| | | | | हरलाव ७ |

| | | | | |
|--------------------|----------|---------|-------|--------------|
| आसुरिया-री | छात-सु | नाशा | आर्या | बट |
| लासा | खेता-में | रेता | रंथ | रपट ८ |
| जड़ छत पाखी छत-जड़ | | गाज-यां | गांज | अजंज |
| दूध-वरणा | हो रवो | आभो | | भोखी - पंड ६ |

| | | | | | |
|-------|--------|--------|--------|---------|-------|
| देख | कणायक | दवा | प्रेम | बरसावै | पाणी |
| वरसद | बीती | पोर, | ठमै | ना | झेख |
| बिलके | चांदी | बिसो | पकधो | पणीको | पर-पर |
| बीजक | पल्लव | यणै | पाक | सोने-रा | सरबर |
| पर | आभा | सिंभनख | कीमी, | खर | रचायो |
| आज | सुखाणी | सोम | बलाधी, | खेक | है । |
| | | | | आयी | बीजक |
| | | | | | बेक |
| | | | | | है १० |

| | | | | | |
|---------|-------|-----------|-----|----------|----------|
| अमो | अभिनव | छो | करे | वर-यण-नी | दिखावण |
| सीन १ | अगी | पल्ल-पल्ल | नवा | बीजक-बेक | वसांख ११ |
| कदेक | सहर | दिराय | दे, | कदेक | अमल |
| कदेक | सरवर | परबल | | कदेक | संगर |
| आले | अपू | अमूककधां, | | गद-गद | बूटे |
| भाए | अनेक | धू | मरे | अधिनय | अरख |
| अमो-पीर | अमाद | लिण | | अजक | बीज |
| सोपण | अप | मिचय | दे | पोर | अपार |
| | | | | | अपट १४ |

लिख अंघेर अथावलो
बोजव और अंघेर मित्र

अप्यो रोग निजोगयो
अंघस अथगोही हुयी

पलका मठ कर पापयी !
रे बपार ! मठ बैर ले
रागो यही संजोगयी
आमे-सु अरजी ! कटि

हुक सगल ही मूक-सु
हुक-बवावही बीजली !

सिक्ती बैल बीजली
धिम्बर - राज - रसोवही

आजटेय बीजल कियां
विपर्यां जोक मजावही

हरी कमावस राग-ही
'गली' आरखी-सु गयो'

गरमी दिही गमाय
बली प्यंक पर प्यंक,

बट चांतख रावे
बू कबडो बपि १२

बमकत बेली बीज
प्रीतम कूपर बीज १३

गाव मतो असमाय
बिरह-पीक वैचाय १४

रबी अरोलां माल
बीज - अकटो नाख १५

मारु - बदन निहार
छिप मठ पसरो मार १६

अिय बिज बाज हसंत
चूडां बीज बसंत २०

सुरधर छिरी कजाम्ब
प्रीत पुरायी जाय २१

बरसस्य 'मूसलधार'
हरक अकटो-सु हार २२

आज 'बाबलां' दोसां
रीज सीजी अकटोलां

ममस बैठा मांस,
भरे । पून रुक बाप
पुनै बापरा रस-रा से
जने कलापस । ठहरना तु

बाँर कहे मुन मोली
लुपों मारे सु मोली
टप-टप टपकी टाप है
परा गयी सा बाप है २३

आमो भवछस बरसियो
कसस कसपण पुरियो
रातू कर ही-सु रिण्य,
दिन अम्या, कोपण लम्या
कोव कसायस । अम अम
बीयो दिन अम्या लम्यो
से बारपां दूषां करे
मूरी, मूली भाग्यी
बारस छोटा बावका
आसां नमो अहिपो
बीजा मिले न बीरहा
पस भर-मे बाबी किनां
लागु सु मय काँवता
परा गुसायो चोगयो

फावण आगी भास
बरसण कठो रास २४
काएषो पइसी ठाव
डक-डक बाज्य दाँव २५
जितरी कण न मुहँड
बरसी राव अलँड २६
नारयां पायी घोड १
काव पइसी सोड २७
आमे - कोठे आय
पायी रक्षा मुबाप २८
बैठा टावर द्वार
पायी आरो - पार २९
आज्ञा दिया बपाव
मीर सोगयो नाव ३०

१ कहीं-कहीं वहाँ वेद करने के लिये किनां गुपकर बांधे लासली है ।

| | | | | | | |
|-----------|--------|----------|--------|----------|---------|----------|
| संज | मगारा | मिपरां | बाक्या | बामस | बोग २ | |
| माय | कलाधल | भार | भत | भाप्यो | गुरधर | बोग ३१ |
| कास | सुव | भूगण | लम्बा, | सांभा | होम्बा | सुय |
| बेक-बोम्ब | कांठ | भ्यू | | वरसे | देवो | पूख १२ |
| हरियां | जिरकां | बोडिया | | सुपटिया | | सोरा |
| पांछ | संभारे | प्रेम-सु | | मन | हुलाखो | मोरा ३३ |
| रल-मिल | रुका | बासिया | | लोहर | सांकर | जाव |
| पक-पक | भूम | मचांभता | | पोकर | में पक | क्याव ३४ |
| कल-कल | लेलत | अलिवा | | ताक्यां | हाक्यां | जाव |
| होडा-होडा | | फदाकता | | ओ'दे-में | पुड | क्याव ३५ |

| | | | | | | |
|-------------|----------|-------|---------|---------|-----------|------------|
| नीर | भांगणां | बीज | इवर | भ्यू | कह | दिबोला |
| बाकल | बावक्यां | भ्यू | कीर | भर | कादर-कोला | |
| गझियां | इहो | नीर | गयो | गिरमाखी | सारो | |
| हाव ! | गयो | बेकाम | 'बाखी | लेलेहि | बारो | |
| पाप - हुकाज | सा | काटखी | सुरग | जिसा | सुज | काखी |
| गुरधर-नी | गंग | बही | भागीरथी | | | कामायणी ३६ |

| | | | | | | |
|-------|------|-------|-------|--------|------|----------|
| बो'दा | भरगी | जाहबी | आम | गंगेतर | प्यद | |
| रेल | करी | जिम | रेणका | परतल | टीपक | पा'द. ३७ |

२ कदी-कदी कदी के कद न होने पर केशियों के प्रार्थना क कद नें रुक जात हैं ।

| | |
|--------------------|------------------|
| पाणी पासा पर बहयो, | टीबां दूटै कोछ |
| नख जितरा रीसा मही, | ओढ़ा हकवा डोल ३८ |
| बाबा माडा, नाहिया | सभी हुया सम ताल |
| पर बोली यू बिजकती, | छाही चाही गाल ३९ |

| | |
|---------------------|--------------------|
| पाखी ही पाणी पबछो | ओढ़ा-लोहा आव |
| गंग-नहर ज्यू गंग-री | मुरपर बल छै'राय |
| मुरपर बल छै'राय | धोरिपां धान जुगाबख |
| काटख दुख मुरमिबल | समो कर मुख अपडाबख |
| अब मसाबण कछा | बली धरियाप पिछाणी |
| बते आपो - आप | हकवा पग-पग पाणी ४० |

| | |
|-----------------------|----------------|
| जुमस कसाबख तापना | जद करता भरदास |
| विणत्यां छ बर तै दिया | राखी आली आस ४१ |

| | |
|------------------------|---------------------|
| राबण-रो सो रोस | ताबहो वपछो मारी |
| हवा - रात्रस रूप | मग-देवां दुख कारी |
| वाहल बानर - सेम | ज्यायल-राम रिसापी |
| छांट छीर शिटकाय | पांक मिस केर दुराधो |
| मुरपर-झंड निसंड कीनी | मुर-बल हीनरो आब दे |
| गुर-रुमान किसान मुसो-ई | बमीगल-वरगा एज दे ४२ |

मल्लारख भूगते सूरज
इली इलावा भीन हरकता

मातो छे खेतां मये
तेजे-रस रुमठ वगे' २१

लुलुवां सीतां, गोळ मुळ
मोम-मटारा मापता

मयी-मरणी पीठ
इल-नी रवा कठीठ २०

पीर-कंध चवच-वख
ठाटी जाठी-रा कबर

जाकां-री बोकी
प्यू तेकस घाकी २०

सलरी वरसी सांखी
इल वावतका जेवता

खेतां हरक दिखोर
'तेरी वयो निखोर' २१

झिन-मे झोटा झांखा,
पटके पळ-पळ-मे पयो

झिन वाचव खेटा
पायी भर पोटा २०

चमळ-चमळ कर वाळता
वापड्या विसलत पके

डसते पायी पाळ
विरयो तांभी वाच २१

खेव मांड्या खेळता
रोड्यां राखी रिडकती,

वाळज वाळ चवोच
वाळ वडुके गोव २२

पसिहरी मिश जाय
बया मूसरो वगे
मीठी राग मसार
वरसे मीणी जाड

मीर सरवर-स जावस
सहेल्यां छी'रो गवण
मुखे वर मेह रिमळ
मिळोवण जिव्या साव

साँच-माँच छैरो भिजोपां
चटपट चोर निचोहर गोकां

हाँफठकी पर आ रयो
अपट बाय सुख रबी ६३

वाल ठसै पां डेरियां
डेहरिया डर-डर करै

रबै पंखेरु रोख
झीझरियां-री ओख ६४

घोरां पर मामोझिया
झिझकी रोली छांटकपां

ओबां भिसकी वाख
आमै अपणी वाय ६५

एत्यू बमके आगिया
खोन-बिही भूह मोनखो

दिम चरचरियां गाय
देवै सुगन खैनाख ६६

स्याम सरुन सुवाबका
गरज निचाखां माजगो

भंवर करै भरखाट
आ गेसपां तन काट ६७

गीता दीखै ताकदा
सीखा होग्या फोगदा

भीखा दीखै ओढ़
भीखा-सीखा खेद ६८

तीत्रै दिन की मोष
गावां-मैल्वां हाँठ

तासियां हरपा दिपाया १
बगावती मन हरकायां

ओवढ़ भर ली पेट
बाढ़दा कटदा ओढ़

कोढ़ सुर जड़-सू आधै
करता चारखै जाधै

१ बरी हान के तीन दिन बाद जमीन से घास के चपड़ निचलत है आ धि
धमी गुर्बों के भीता म नहीं आत । जड़-बघरियां सुई से काट कर
चट भर केती है ।

| | | | | | |
|-----------|---------|------|---------|-------|--------|
| ४ रथं | नौय | कथाम | कापही | छुमै | हैभी |
| सेमय | सिह | काह | काही | बिहमत | अठपैरी |
| घोख्यं | बाबै | हीक | वरय | जंगल | मैमासी |
| स्वराह | सेवय | काय | पीछ-ने | पासर | पाशो |
| कासी-मूरी | मैसकपां | भी | रोही-मै | वरती | छिरे |
| साहर | नेकां | नौय | बाबै, | सुर | काय |
| | | | | सुनो | है न |

| | | | | | |
|------------|-------|------|--------|--------|--------|
| गाथां | सीलो | हुवी | कांवती | लोको | राजी |
| मैस्यां | भाजी | छिरे | पखी | मववाली | वाजी |
| निरठां | आद्धो | भोप, | फोगका | फने | निरठा |
| सेवकभां-री | छाय | | मुहावी | मीम | गुवाजा |
| सुखकां-री | नू | करै | सयवस | आखंड | देखो |
| कासी | परा | मंडक | मांमि | करयो | कसावस |
| | | | | हरस | है न |

| | | | | | |
|----------|------|-------|------|--------|----------|
| करवसिया | छुरे | छिरे | गूजे | गिरयां | गोब |
| सुरक | सुरक | सीलो | बरे | गती, | भूरी |
| मैरुजी-य | | गीतका | गावै | | सैमय-हार |
| दिलके | लिख | दिस | भूए | | वरवस-हार |

| | | | | | |
|--------|--------|-------|-----|------|--------|
| गवांसो | गितरां | करै | बाग | है'र | विहमाय |
| माने | पडिबो | वहांग | है | सुनो | सेस |
| | | | | | विहमाय |

रिगल करै, रेबड़ करै, मेझां, बकर-पां, छट
 मुरपर-मंगल, मामणी अंगल, रात्री बाट ८६

बछड़ा बगे क्यार छार ललकरि बाला
 कर कोहां किनकार मुखरता मन-सु बाबा
 मुर-सु मेला गाछ संगल-री मौजां माछे
 दुख-मुण दान्धां बजै बाछड़ा बरता लायै
 पर ओटकिवां डेरा माभै हाथ दिवायै गोहिया
 पलंगूबा जित बैठ बजायै मर मारै अत रहिया ८७

सावय मुरंगी लोड, धीबड़य सरवर घावै
 गुहियां जला-बला गूपरी बठै सिजायै
 भूबा कान अगवय सुणै बिन्दर बरवावत
 आभे रानी बोय गीत मेझां-रा गावत
 'गुही बसै गुहो रोवै मेझा । मुरग्या जोर-सू' १
 धूम-धूम सहेस्यां मूली आयो घटा दिसोर-सू ८८

१ लोड के दिन कड़किनी गुहियां जलाती हुई के गीत गाती है । इस
 अवसर पर कभी कभी भी जा जाती है ।

| | | | | | |
|-----------|---------|-------|---------|--------|--------|
| ह रघुं | माँव | हजाम | छापकी | हमै | हैरी |
| सेवण | सिद्ध | काठ | कड़ी | किम्मत | अठपैरी |
| भोकरण | जावै | हीन | वरण | जंगल | मैमझी |
| स्वगल | सेवण | काय | पीय-ने | पाछर | पानी |
| कासी-मूरी | मैंसकथा | मी | रोही-मै | बरती | झिरे |
| नाहर | नेकी | नाँव | सुर | बाण | सुनो |
| | | जावै, | | | है न |

| | | | | | |
|-------------|------|------|--------|--------|----------|
| गाथा | लीखो | हुवी | काँवती | लीखो | रात्री |
| मैरवा | माजी | फिरै | बडी | मठबासी | ठात्री |
| विरछो | आबो | ओप, | फोगवा | फरै | निरछा |
| लेखक्याँ री | | छाँव | अडावै | मौख | गुबआ |
| सुनवाँ-री | पू | करे | आणव | देखो | बरस है |
| आली | बर | मंडव | करयो | कलामय | हरस है न |

| | | | | | |
|---------|--------|--------|---------|--------|-----------|
| करवतिया | कूरे | फिरै | गूजे | मिटवाँ | गोड |
| सुरक | सुरक | लीखो | रात्री, | मूरी | टोड न |
| मैरजी-र | | गीतवा | गार्थ | | लेखव-छार |
| विजके | सिख | मिख | भूत | | बरव-हार न |
| गपवाँको | गिखरां | करै | बाग | हैर | विसमाप |
| साके | चढ़ियो | आंग है | सुतो | लेख | विजाय न |

रिगल करी, रेवक करी, मेवां बकरवां, ठाढ
 मुरपर-मंगल, मानवी, बंगल, रात्री, बाढ ८६

पठहा बगै कतार, कार छलकरी गवासा
 कर कोहां किजकार, मुखक्या मन-सु बासा
 सुर सु मेवा, गल, बंगल-री मीवां माखै
 हुण-मुण ठासां बगै, बाढहा बरता बाणै
 भर छोडकिरां डेर नालै, हाव दिखार^१ गडिबा
 अलगूबा जित बैठ बबाबै, भल सारे अरु राखिया ८७

साव ब सुरंगी लोख, पीबक्यां सरवर पावै
 गुडिबां जल-बसा, गूबरी बैठे सिदाबै
 भूषा काम काग्रय, सुणै बिम्बर बरगबठ
 आमै लानी कोब, गति मेवां-य गबठ
 'गुडी बरी गुडो रोवै, मेहा । मुरम्पा ओर-सु' १
 धम मूम सहेम्पां मूत्री, आधी घटा दिसोर-सु ८८

१ लोख के दिव बकियां गुडिबां जलार्थी हुई के गीत गानी हैं । इस
 भस्तर पर कमी बर्षा भी जा जाती है ।

बीजाखी-सावख

| | | | | | |
|---------|----------|--------|------------|-----------|-----------|
| आ | माखक-री | मैर | बैस | बी-अखो | म्यारो |
| पर | वरसा-में | बरी | पखो | परकरती | प्यारो |
| हरियाखी | | छा रही | भा रही | भोमी | सोखी |
| मिनका | किछी | मसाख | मुग्गा-पेव | मन | माखी |
| क्याह | दिखा | दिखाह | दिखाबे | है | हरिबाखी |
| हीरा, | पत्रा | भीत | पयाखी | बहा-माखी | |
| बर पर | सोबे | साख | ममोख्य | भूम्या | जिसकी |
| बाखू | भोमी | हार | दिये | पहरथा | इसतकी |
| भूमा | विरछ | अनेक | बेक-सु-बेक | रंगीका | |
| ठांस | ठार | तमाम | फूज फज | कबी | कबीका |
| कठे | पानका | प्रेम | कठे | बेका-रो | बागो |
| कठेक | मकिया | मुक | मुकयो | मक | बीचक कासो |
| अचर | | अककिया | मतीरा | भूस-पठाका | |
| बेला | केका | नाज | अपपका | बहल | आका |
| बोह | बंगला | सेत | छीब | छवि | बोली बंगी |
| गगण | पख री | गाय | सजे | अवर | सारंगी |
| छीसर | ठाका | तलाव | भीका | पावर | बख |
| माका | निरमल | भीर | निबाया | आम्यो | बेबे |
| मनका | छोले | मोर | बंजीका | बोली | प्यार |
| गिरे | अरचरथा | गीत | बजाबे | बीज | नगाए |

| | | | | |
|-----------|------|------|---------------|------------|
| बाहर | माहर | निहर | फूटता - फिटता | गार्ब |
| मींगुर | बोह | कवार | सतारां | चार सभाब |
| बाय | टीनू | सोक | सोक भर | मुखमा घीनी |
| पीकायौ-री | | भोम | कलायण | बरसा दीनी |

| | | | | | |
|--------|-------|------|---------|-------|--------|
| रिखमिख | फूडा | मांय | पून | महफार | ठडाब |
| मीठो | भोजन | सीम | जियां | मगतो | गुण गव |
| फुरै | कलायण | कोर | मिहोरां | बाबल | मुरदा |
| मुहता | टीका | मांय | भोम-सु | बातां | करता |

| | | | | | |
|-----------|----|------|----------|---------|----------|
| घनछ-बाण | मम | छाय | बाजकां | हरल | बयाब |
| पलकै-कलकै | | लपल | बीज | दिन-रीण | यखाब |
| छाब-झापा | | छोड़ | छोड़ मूठ | काल | बयाब |
| बरम-बैन | घर | यखा | बीज | तीणा | देराब ८३ |

| | | | | |
|--------|-------|--------|---------|----------|
| मानी | मांटी | मोटरां | सायककां | सोखीन |
| तागां, | बैली | यमियां | मल | मेजां-टा |
| | | | | खीन १० |

| | | | | | |
|--------------|-------|------------|---------|---------|---------|
| छहर | बीज | सुराय | कलायण | मरयो | अन्तेखो |
| सायण | | बीकानेर | हुयो | मन | भाबण |
| सिखवाडी | | सरबरां | मंडे | जित | नूब |
| ठेकम-ठेका | | भोग | मगरियां | बाब | मेसा |
| अल | तिरछै | तलाबां | मोड़ | मिहोरां | मुसाब |
| मोड़-अंगलां, | | बाग-बगेबां | फूड | रंगीला | फूडब ११ |

| | | | | |
|---------------|-------|--------|--------|-----------------|
| नारणी | देखण | आव | मगरिया | सिब-बाइयां-प |
| मारग | मावै | नोय | आत | अट रथ-गडपारा |
| गूदे | दी-दी | कर | सुब-यी | मै सिब बाबा |
| माल मिठायां | | फूड, | पडावै | भर-भर छावा |
| गुर पोकरयां | गोठ | पुढावै | मांग | छावावै दूधिया |
| मैय्यो-मैय्यो | रंग | जमायां | महावय | नाडां दूधिया १३ |

| | | | | |
|---------|-------|-------|----------|-------------|
| पहर लकी | ही | सेयकी | कुहरत-रा | सिखगार |
| निरकस | नूबां | नोकरा | वेळां | इंवा दार १२ |

| | | | | | |
|-------|-----|---------|-----|--------|----------|
| खाळां | छमी | लांपकी, | के। | सांचयो | पास |
| वेत, | बूट | जळमना | पास | तयां | पयलास १४ |

| | | | | | |
|--------|-------|---------|-------|-------|----------|
| बहुवां | वेटां | बूड्या | कसिया | सार - | समाज |
| लुसिया | मन | आयव-सू, | जान | रिया | निरकस १५ |

| | | | | | |
|------|-------|--------|------|----------|-------|
| पान | निमाण | निमळता | देव | हीडत्यां | वेळ |
| सिमण | खीजे | आवरां | तीकण | तकुके | तळ १६ |

| | | | | |
|-----------|-------|----------|--------|-------------|
| जामन | जिवरी | हीडत्यां | आयन-रै | धुमियार |
| काची-काची | 'ची' | त्रिसी | सागां | इंवे सार १७ |

| | | | | |
|------------|------|----------|------------|------------------|
| अमसाची | ची | देखण्यां | विसवाटी-रा | पूड |
| चिणमिणियां | चीया | तगे | पल्ले | पळ्ळ पळ्ळ मूळ १८ |

| | | |
|----------------------------------|--------------------|-------------|
| खेत निनायक मा क्षणी | किरसायाँ-रे | ठास |
| मादुङ्गे परचु पक्षी, | परसा बायी | बाज ११ |
| पास काट बूझी दिबी | पमुर्षा हेव | समान |
| फटफटरे सु पनपम्पो | खतां ब्रुमो | बान १०० |
| कदेक बाजे मूर्खिओ | कदक 'पिछन्ना | बाय |
| कदे कक्षायण आपरा | 'जग-बार करे | ब्याप १०१ |
| काग बनइयाँ, मुटबकाँ १ | चिङ्गा कमेकी, | आर |
| मुङ-मुङ मन ठहो करे | छह-छह हेङ | अहार १०२ |
| गेरी, पीका गोक्षिया, | रमछा मीचङ्ग | न्याय |
| सिक्छो सामो आँबताँ | झङ्क्याँ पर पुस | ब्याप १०३ |
| भीम्याँ, मासकाँ मूढियाँ | किरका रंग | कीयाँ |
| गोग्रतुरी सिस्त्रियाँ | जानकियाँ | जीयाँ १०४ |
| रेदी राब कियाँ जिस्त्रा | अम्यस ब्रुपम्पा | जीव |
| सिस्त्रियाँ कृष्णाँ मिस्त्रभियाँ | जिस्त्रमिस्त्रियाँ | हुल दीव १०५ |
| टीटसियाँ, टिरडाँडियाँ | बाँही बिचङ्ग, | होब |
| गोहीरा गुराँइया, | गजब क्षम्यरा | गोब १०६ |
| मिहद सिस्त्री अंगलाँ | भ्रींगुर अरुगा | अरुप |
| बाब य पूजा बैल-रो | अवे सङ्गयो | अप १०७ |

बामे पर बाइल, यथा
 सूरज भूगण-भाइयण
 चरचरियां चर-चर करे
 जंगल-मंगल भारती
 बाइल, पसुवा-रो वडो
 म्यां-म्यां म्यां-म्यां लोह सो

मण्डक भूषकी जय
 फिरसायां १ सैन्य १
 पूजा-री बेजा
 मली भजन रेजा १
 जेठ साय द्विष साय
 'गमना - बाबा' बाबा १

बिमया ज्यारै साय
 मारग भावै नाथ
 रुपाकै बाछा गाँव
 चारचरियां टीस
 बंसी, असगूजा चरचरियां,
 मन भावै देवत बसै सुर
 चायो गोगो पीर
 बोवै भैसां बाट,
 ज्योसो मल फरिद
 मूल चिरायी गयी

जेठ ज्यारै, गा सारी
 बिछड़ियां मेसो मारी
 चरचियां वडलै राबो
 बोकरी सिंघय पाबो
 मालर, बीम, भायर है
 आपय-बटा अपार है १
 बीर-ने लड़ी पिछड़ी
 मिस जा बैठी पाखी
 ज्यारै बंसी प्यारी
 नाव मलबारी सारी

१ जोरों पर चरचरी नाम का जीव रहता है। वह सूर्योदय और
 सूर्यास्त होने पर चीं-चीं चिल्ला करता है। सूर्य चारों ओर होने पर
 चिल्लाओ को कहा नहीं जाता किन्तु वह ऊँची स्वरों में सबको डर-
 काव का काम करा देता है।

बलदा, कटदा, फिर-फिर चरी,
बे-फिकी मुरमुरा बग्यापी

झींझो लपके रोम है
करी कलामण मौज है ११२

पली जोड़ पंचावती
बाबा बैराज तनारबै

कर पावस-सु प्रीत
भू सु-मधुर संगीत ११३

भल फूली पहपावली
भाले लस-लस लाल कर
गोठे सुखी बाबरी,
आय कलामण ! जेतदां

आवै हिरण भयंत
सिखिया छोट, तुरंत ११४
वाली मधुर मोठ
करम्या गैरी गोठ ११५

फूलां जारे फल मझै
चलो मीठा कर रियो

कंठ लां भू कोमल
बादियां निरमल ११६

बेलां बपती रात दिन
बमार मझियो मर-मै,

भूलां मोठां दोष
बेलां आछी जोष ११७

मोठां कंठ कुहारिया
सिद्धां कूक खोबली

बेलां फूल कलाम
रोही रागत राम ११८

खेद-खेद भरया रया
मोठ मजेदा बै, रया,

बांगर १) बाजर बूट
बिड़ियां करती छूट ११९

संतोखा सी काकड़ी
सीबरे-री सिद्धियां

सरगत भरया मदीर
मंदां भरया बीर १२०

सपरी सोन कपोलिवां करमोला सा बीन
मिसरी मरी मदीरिपां कुव माझकरी रीत १११

कठे पसी-पण बेस करे भीठी मन्वारा
सीर - ककणी वीर 'मण्ड - बीरै रा म्बोरा
मिठ पण परवारी कठे कतिस्तो करवा
जाळ कसूच मतीर रसीला मरवा करवा
टाकर गरब जगाव गाव-में कुमतरिपां-री बां- मै
गिर जावै, माळ्या फिरै हे बाळक कुडी बां-में ११२

सांख [मन्व संवखो मन्वो रूप सांखो वार
संवखो वरव होयी मते सुरवर-रा बाजार । ११३

पचो टीन्दी, फिडकळा करता । कीन्वो मंभ
काठो कीन्वो कातरो करन्वो समी सुचव ११४

मृपां वेठ मुकव झजले बीरे मूचे
बोम डामकवां वेठ बळक' डमडम हूचे
मरी कमि ही कुव पाळरे बळ-री प्वारी
सगळी गयी बकाळ भोग धिपहा मुक मारी
बण मिरव सीरपां उगव' जोळ-जोळ कर कळक'वां
तेरी मया कळापण माता ; आपस बांटे कळक'वां ११५

मिहमिर मीमी धूह
 पेजां रुपा रीट
 सोरम से-से पाय
 मण-पट्टा मतीर
 होरम - होर मतीरा मिह
 तेरी किरपा-सू कलायण ।

गया कयूतर काग
 पंती पूया सेत,
 सेमं चक्र भाग
 हरकत करत कलोल
 गगर छोटाया गंडकदा भी
 लावै मपुर मतीरिया का

जंगल-वा से जानवर
 सेह सुरवा, स्वासिया

सहरां भागी लोग
 होवा - होठी होठ
 पोरां ठर जावता
 रुपा रोठ पचाय
 आया सेठ पगाव-सू
 रोता हठ समेतां भीतां

ठिबे अलसू धीकरया
 मेह-सू सारा किरिया
 हू कती लूकां बोले
 पाय मेव, ज्यू बोले
 'हूती-हू' गावद करे
 आस गभी ग्यारस करे १२६

करण केकीदा केका
 गांव-में दोष-बेका
 भार पचमै री बेलां
 रोख परभाती रेला
 गलकियां री होठ सू
 काकिया भी ओठ सू १ ७

रातां रीतां आय
 लूका मतीरा गाय १ ८

कदे नयू रीबे होरा
 आवता बरसा ओठ
 ओठ मन रोरी आवग
 राय पूबा घर बावण
 बीमासा बित भाइयो
 रोदपां रंग जमाइयो १२६

| | | | |
|------------|--------|-----------|----------------------|
| मोड़ी | धूँध | मसीर | काकड़ियाँ रो भर कोहो |
| सिद्धा | तोड़ | कलाव | भार फड़ियाँ भर गोहो |
| सिम्या | हेरे | आव | सिद्ध सुख साग बसाव |
| कापरिबा | कड़ | छोख | गुठेकी माँय मिछाव |
| पूर पूर | मिसोकी | रोटी | मिनर्वा बीमै छाव-मे |
| फेड़ महीर, | बीर | काकड़ियाँ | ईसता सेव हाव में ११ |

| | | | |
|------------|--------|--------|------------------------|
| नारवां | निरखे | सेत | हेठ हेरे हरिबाजी |
| बाजर | 'बरबर' | बोख | हुजारी सिद्ध है दासी |
| हेवां | हाठी | पाम | पूव मिस पला सीमि |
| आखंड | बधे | अपार | आम बड़ बाँक्यां मोषी १ |
| हाली सीबी | इण | सांठरी | मीथी झांटां ओसरै |
| करसां कानी | जोय | खेतका | मोद मना अभिनय करै १२ |

| | | | | | |
|--------|---------|-------|------|---------|---------|
| सेतां | आख्या | पूडसा | बूनी | सेत | बचाव |
| कार्टे | दापरिबा | सिया | कर | कसकर-रो | काठ १३२ |

| | | | | | |
|-----------|------|------|-------|--------|----------|
| सेतां | सेली | रेत | हजारी | बाज | हठीका |
| मोठी-दाया | | देख | तोड़ | सिद्धा | स्वादीका |
| किन्नकठ | मोरण | आव | हुदवा | आव | कवाड़ी |
| बसअवण | | बोयह | लुडका | लुडके | लुड़ी |

१ जब बाइलों की परछाईं धूमि पर गड़ती है तब वहां आनन्द होता है ।

| | | | | | |
|---------------|----------|--------|----------|----------|------------|
| सिन्ध्या चमके | बान्नां | अव | बाजक | जोसी | हरक-सु |
| आम दिवाली | खेतां | धुके | पै'बाणी | है | परक-सु १३३ |
| धिया ही | दिनां | अनेक | वीज | स्योहारं | जोड़ी |
| राखी | पूज्य | परब | असम-आठव | | मोटोड़ी |
| गोग्र | भ्यारस | साध, | जोरता-री | खिच | म्वारी |
| हसराचै | | वैलांत | मगावली | पूज्य | मारी |
| अेक | कजापण-रे | आदिवां | अकच | अनेक | आदिया |
| बला-ठ्या | आयाव | अयेरा | नित-नित | नूचां | आदिया १३४ |

धूआ-धंवर

पून-रै साबै माप मिहयोकी रैबै है जकी सररी-रै अंगल
दिना-में छोटीकी पूरा-रै रूप-में सुरज अग्यो-सु पेखी, पूर-पावस
माबै अब न्याबै । आनखो होय-सु मोतीका सा चिह्नके । ह्य-ने
अस नैबै । ओस आपनो अठे आसोज-रै आस-पास अग्यो-
पूठरो आबै । अग्यो सुरज-रै देख्यो सु बड़ो आनख अमली । सब
दिनां जमीन-सु पाना-री जहां-में ही अब आबा करै है अग्यो
तेह करीबे ।

ओस-रो दुग्यो रूप धंवर है । पो-माह-रा मी'थां-में जोर-रो
अबो पड़े अब आनख छोटी-छोटी सुभी-री नोक जिरी-जिरी
अंटां बस-पंदरै दिना-सु आनख फाग्यो बरसत जियां बरसली सरु
हुम्बाबै । पूरा-बार अग्यो दुबै अर ह्य-ने हस कोनी सुबै ।
पोर दिन अग्यो धंवर उठे और ताबड़ो आबै । निरबी कर
बरस्योके पाखी-रो परमाण 'जीती-रै ताब तांभी गोपड़-रै गोई तांभी'
रबै । आनखो अंगल पाबै-सु अग्यो पद न्याबै ।

धंवर-सु भीमि तो पूरो गगनो ही कोनी, क्यू-के नातकती बांटां
आंपो-रै न-हुपां समान ओसरै । पण सीज होय-सु सररी भिसी

पड़े बाखे सीरो भीम सेबै, घर मांय-ने सू ब्याबै । बा'रै निछ्छन-ने
 जी ही खेनी करे । पख । 'सीयालो सोमगियां होरो होजस्तियां ।
 बमागियां-रे पिसी मौज कठै पकी ही ?

माता-होय नै ना मिछे भल्ली बसत-रो भोग
 दास पकै जव अग-रै हुबै कठ-रो रोग

मागां सेतो भीपझै मागां हुमै गाव
 बिन मागां रे परसराम । परयोकी सर जाय

खेर, बां-रो ही कोणी बेझी है । परकली-रो पिछोसको भिन्नाफ
 क्यूं ? ओक्यां गरीबां के मोरकी रै माठो सारछो है ? 'आबो माह
 कामसु बाह' । कठ होखी आगला हरक भरछा दिन आबै घर बट
 पाछो बोझो हुआबै । रास-रमतां पकै । होखी मछई । गबरां-री धूमर
 भझै । धूआ-बंजर जाय परी । हरियाली हुब और बसत पांचू-सु
 आछ-तीव ताखी कजायख-री जगां मांगझिज मौसम मुरधर-मै आण्य
 बरसै । ब्याबां-साब । घर ठिबां-सु सगली बायां-री मौज रबै ।
 मुरधर संगल-सु कजायख भर आबै । बनोरा आबै घर लुगाय
 गीत गवै—

| | | |
|-------------------------|-------|------------------|
| बांरु सखइ ब्याको ओ । | सीब | बसवैब, श्री-रा । |
| बांरै मोझां-रै मोझी ओ । | साबन | निरक रया |
| बांरै केइ मुररका ओ । | मुबला | बोझ रया |
| बांरै घर भोकाबझ ओ । | इसली | बूय रया |

| | | | | | | |
|------|-----------|---------|--------|--------|-------|-----|
| बारै | अन्ना | करवा | ओ ! | ठाणां | गूँ | रवा |
| बारै | बोक्का | बीपर | ओ ! | म्भाव | निबेइ | रवा |
| बारै | मैस्यां | वृम्मे | ओ ! | पाडा | रिक्क | रवा |
| बारै | बाव | सीदि | ओ ! | मुग | पसीअ | रवा |
| बारै | गीतांछी | गावै | ओ ! | झम | मिछोर | रवा |
| बारै | वानन्य | बोकी | ओ ! | साजन | बैठ | रवा |
| बारै | छाज | पिछंगवा | ओ ! | बोक्का | बस | रवा |
| बारै | सेज | लमांछी | ओ ! | नापी | बिछाव | रवा |
| बारै | बमका-होका | ओ ! | हयायां | पीव | रवा | |
| बारै | साजन | बीमै | ओ ! | माईका | जिमाव | रवा |
| बारै | बेटा | बमावै | ओ ! | पोता | बेछ | रवा |
| बारै | घर | गायक-सु | ओ ! | ऊछव | होय | रवा |

मुरघर रा जिंसा मयुर गीत माका-बैताव १-२ पाव ए मूँ-सु
 सुस्या वन-भन ऊजछो हुम्बावै ह्ये मै के फरक है ।

: ३ :

धूआ—धवर

| | |
|------------------------|----------------------|
| मिनए मरे मन मोह | जिमावर जुहै अगली |
| पंछी बहवा फिरे | कौ भिरसाए रुगली |
| खेदां घान अपार | कछापण इसै ब्रमो |
| बांझरहे हो आथ | करे तिसबारी सुबो |
| कदे धूआं - पंजर ह्याबै | कदेक गलस बमीन-सु |
| तेह दे दे मे' सो बरसै, | सीत करे दिन तीन सु १ |

| | |
|-----------------------|-------------------|
| रात रतन परमाव-वा | गयो ब जंबरी गद |
| विपदिय गिण गेण कणकणां | पग पग बगयो पलेर २ |

| | |
|----------------------|-----------------|
| मान पटियां धान मे | बलबया मोठी जोर |
| घोरां घोर बिट्टरम्यो | रात भागछो चोर ३ |

| | |
|----------------------|---------------------|
| उमस - योग - बघारणी ! | सीपाबै मय मार |
| पसत पत्ती-पूखी गद्दी | मद्दी बगा मा म्हर ४ |

| | |
|--------------------|------------------|
| पातए-पोसए माबड़ी ! | मुरधर रागण मे'र |
| कम बनबै काबबो | ठंडी रुदी से'र ५ |

आइ सिपावो सी धयो
भोग धनाखु तवारणौ

मेपी बाब इम्यो
सुरधर-मैं आम्हो ६

बद-बेदन सुस बैसिना
कांठ्य हुलहा फाटयी

जायपो छीत सुब,प
नाली हिन हरकष ७

सुरद भूगय बैक
किछधारे किरसाय,

पदै मीम्यो सो पावो
छार कैठांसु टाहो

हु बहक्या करवाट
बाखी - पीपा बाब

अपसरा बय मुयाबै
तान मोमी मरबाबै

बायै भरती - आम आपस
हुमाखी नाखी बंधुछ

होनू ईस बाबा करै
केडीदा केका करै ८

पीपाज्यां सी बाबती
सरण गपाके गोपिदा

पंड-पां सीली तान
कूट दिसावत जान ९

बूडां सिट्टी सुक
लेस-रुधीसां साम

हो रयी कदवी पोखी
किसायां मांही मोसी

राव-दिमां कर तोह
पयबादै कर लयी

ओह सिर सिट्ट्यां नाखी
ओकरगी भेछी आपी

बोरां बोरां-सु हो-हो कर
जेस कजायल-री क्रिया-सु

पूजसियां बीनी पयो
नाजरकी भरस्य वखी १०

फरसी झगी ब्यू गूफरा,
भरणी पूरी बान-सु,

मोठ हुया है छाव
आओ फरियो फाव ११

सारी सिद्धी तोड़ की
नेकी लागे नानरखं
मरसी कोठी - कोठ,
झीझा होय र झग्या
रामझियै-री राग
भोमी-जै मर गधी

बने उपायै मोठ
मरसी कोठी - कोठ,
बोझ-सु बाव बसावत
छावरां राम मयावत
गुहरी भोमी मारी
फरायव रागां सारी १२

निझरै छार मरीरिबा
त्रियां अमावस राव-जै

आमै छेव अनंत
छाव-गय चिझरंत १३

झाझो, झूझो, मीनियां
हाव पस्या हो-हो बस्या

झोझ झान्या मोठ
मेझा हुयै न मोठ १४

कटेक करई मोठ,
कटेक पडीझै नार
कटेक पाओ कटे
कटेक दिगां मरीर

कटेक कडूवा झगावै,
कटेक छिलो करे छेकड

कटे बाजरकी गम'बै
कटे अम-वन वर छावै
बोरिया बावड मारी
छोड़ कर बीज निझरै
छोड़ करे सिद्ध बावता
कटे कराय मांझ्या १५

| | | | | | |
|--------------|---------|-------|--------|---------|-----------|
| गंठे | गूणो | गा'य | करेकृत | करिया | बाना |
| मपरी | माह | जगाय | उपयौ | भर-भर | प्राभा |
| मोठ-फट्फा-ये | | दिहम | भरा | पड़ | चारे |
| फली | फोड़-ने | सांय | जूट | जलवा-री | बाही |
| मोठा | छोटे | जो'ग | साथे | क्रियमी | मात है |
| बूठ | गद्दी | कलायण | सावड | तूठत | जात है १९ |

| | | | | | | | |
|-------|----------|----------|--------|--------|---------|-------|---------|
| वाय | चले | मा | बावली, | क्रिया | धिया-ने | ही | रोक |
| 'बाव | पड़े-में | पास | दी', | पलां | ज | देव] | बोक १० |
| निकमा | ऊमा | लोबिया | | जड़ | नभ | तड़को | तस्य |
| पूत | बलायी | प्रेम-री | | अब | सर | आव | कलाब १५ |

| | | | | | |
|---------|---------|--------|---------|----------|-----------|
| हरिया | ओढे | ओढयां | ब्यू | गोरदियां | गुह |
| राही | बूढ़यां | बोरिया | महदियां | | मुहमुह १६ |
| धूस-भूम | मिल | महदता | मीठा | धिमरत | बोर |
| टावर | प्राबै | रोसता | बय | महदियां | बोर २० |

| | | | | | |
|-----------|-------|----------|-------|------|---------|
| पर-पर-में | पी-रा | जबै | असद | बहे | अवार |
| गोला | भोला | माक्षिया | दिबला | अुरे | कटार २१ |

| | | | | | |
|--------|------|-----|--------|-------|-------|
| कोडां | करता | काम | दियाली | आबी | बासी |
| गांव], | सहरा | ओर | रोत, | हाथों | में |
| | | | | | घोड़ी |

पुष्प-सू शिखरी पूष
अपर बोर-बहय

सुलभ मिछां सुसी-री धलां
खोप्या-बोझ्या परां बीचे

गोरबन १-पूजा न्वारी
पेट काछे पर मारी

राम-राम रा रंग बंटे
मीठा माछ पछा पुटे २१

काकड़िया बिपका जिमा
मीणो सी ठारी पके

धान होंदता छंट पर
दुग्गाछे गूजत बगी

सरही आयी आपरी
हाक्या-हाक्या होंदका,

बिरछां बीनी कोठ-सू
पिछवा आयी पावयी

मिजको न्वाह मतीर
सीली हुयी समीर २३

मरते मय माघी
मुरघर-रा हाथी २५

पानु याक्या दर सीठ
दुरमखियां की मोत १ २७

गाम मरी छाली
बबर दुल्ले हाथी २६

बोंगर बोंकर भांय पूजता रुभा आया
बो ७ हने आय गांव गरां-में यमां

मय गोंदक के माय सख सख ये-नूरी
गही बीणां अय बालका काई हरी

१ दीपावली रात को मर्या पूजन होता है । प्रमाण्य लू दिन
या रंग पूजन होता है । अथ मय यिनी वरिष्ठ मगतके जि हाय
बीरनी है । अथ मय प्रविष्ट है

आका-बीरुग मे दिवाली पूजन के छान

જરાં પચ્છો હી પાસકો હે
પાસો પકે પહોઠ જાં-મેં

ધંબર ઓસરી હેગ
હરતાં નાસ્થા પાન
માણસ સુગ માંય
જ્ઞાનદિયાં ચા વહી
બેઠે કરે કારતી ધરસા
સાવળ જિયાં મઠી સગી ઠા

સૂઝો પચી ચપવસી
પતુ મા રાહી આવસી ૨૭

જિરજ કલુપ્યા હેચઠ
સુકિયા સાંસે સારા
ઓહિયા ગામા મારી
ગાય - મેંસદશ્વા સારી
હરતી ચીયા જુલ સા
જતન જિર્જાલા કૂચ-સા ૨૮

પરમજ્ઞ પાસા વજ રિયો,
રુપાં નાંબે વનજા

શમ્લે શબો દુસઠ બન
રોષઠજા સા સ્વઠજા

હરયા ન પોગદ-લેજજા
અંગજા હુયો અપાવયો

પોહી બોલી રાવ-રી
પૂર્વા - ધવર પ્રમાવ-રી
જાસી અંકર જાજ્જી
મ્હારી જ્યુ મન્ન મારતી

વાસી અંકર જાજિયાં
વન વશરંગ વણા વધા

ઠીપો જ્યુ ઠેજાવ
નાસ્થા જ્યુ મર ણાવ ૨૯

વણ શાશનજા હેવ
લીલવજા સા લઠ ૩૦

અસા રિયા વિસ્થાવ
સરહી સચી ન ગામ ૩૧

રાહી જાજ માંવ
ગાવજિયા ગરજાવ ૩૨
જોજ્જ કર કજ્જી
હાંજતજી દિજ્જી ૩૩

વાલયા જિરજ સરુપ
જોમ્મો કિળો કરુપ ૩૪

| | | | | | |
|---------|------|------|-------|------|--------|
| ठर ठहो | भोलो | हुयो | छिछके | बोरो | बैस |
| मेह-बखी | भरि | बरा | कीना | बेबा | बैस ३५ |

| | | | | | |
|-----------|---------|------|-------|---------|--------|
| हरियो | मूलां-स | सवा | भरिषा | रहता | जोर |
| पान्नी-मू | पेजा | हुवा | सुह | माढे-रे | जोर ३६ |

| | | | | | | |
|------|--------|---------|------|-----|--------|-----|
| भ्यू | वन पर | बसवर | थया | सीस | उपाड़े | नार |
| केह | भूवरका | अध-बलवा | पेडा | बूग | अपार | ५७ |

| | | | | |
|--------------------------|-----------|-------|------|-----------------|
| आयो | मी नो | पोह | आलकी | आवण-बाओ |
| टावर | भरहीभ्याह | | लांस | सुखसुखिया बाओ |
| ओरी | माता | रोग | अयो | परबल पाय्दीभर |
| बूडां | फैलख | सग्यो | अयो | गुजराती घर-घर |
| असर भिर्यबे | आप रो आ | | पाओ | सुरघर मे रमे |
| 'दाव हुयां के बात कैया', | | | पाखी | पत्थर सो बने ३८ |

| | | | | | |
|--------|--------|---------|-------|--------|--------|
| बाम | रु गटा | अठग्या | अयेखी | पड़गी | जोत |
| सगही स | हुह | सुह-सुह | आण | मांगता | मीत ३९ |

| | | | | |
|-----------|------|--------|--------|----------------|
| कीरब | भ्यू | सी-अल | पड़े | पांडव-सुरघर पर |
| बैबण | हुकल | अवाह | मगह | मू हाथल अम्बर |
| श्रीपत | भ्यू | बयराय | दुसासन | दुसरो बाओ |
| भगन | करख | रख रोप | पुराखो | आडे अयो |
| बीर बभाबख | दुसद | बजावण | क्रिसण | कीजी कील है |
| पान बगावण | सीत | मजावख | सुरघर | सुरज मीत है ४० |

सरस कीकर सबै
 पासो पड़तो देख
 करइ किरणों काढ
 माधवा सारा रो ।

दियो ओख कजाण भाष-नै
 नाइयो जल यणो, भिखु बारण

बात छुवरत-री क'ही
 तेज ताप्यो ले साबी
 कियो पीजो पाबै-रो
 सोग कर सीयाजै-रो
 कासब-सुख गै-रो तप्यो
 पोइ बीसो पासो तप्यो ४१

वस-य भबै कुबारिया
 छबैय ब्यू नम नास्तुके,
 ना बीजस ना गाखयो
 छोटी रूप यणाबिबो,

ब्यू बालक सुना रबै
 होलै-सै गमो कठा
 सोच कलायण मन भिखी
 बन भावो कालो हुयो,

लंगल सुधे ओजियो,
 भाव पट्टियां मेयगी

बाखा धवर कजाण-नै
 राता भोम भिजोइती

होसै-होसै हावनी
 भागर अपनी बाण-सु

छोटा-छोटा सोर
 पण है बूझा - पोर ४२

ना जांधी, ना लीस
 करै कलायण सीस ४३

कांस मात मम मांभ
 करसी ऊपर छाय ४४
 बाण धवर बरसाव
 बाली होसी छाय ४५

मुरझापोदा मूल
 धवर धरा-री धूल ४६

मुरपर करै दर्रास
 बिना बछार्या बाम् ४७

धवरं रूप बलाय
 हरी करै बछराय ४८

| | | | | | |
|---------|----------|-------|-----------|--------|--------|
| रातू | रोही | मांय | ग्यालिपा | रोस | रबाबे |
| भेबड | सैंत्यां | राज | बूप | हुड | कीर |
| दुम्नदी | गड-मैस | | जर्न-रा | ग्यासा | म्य रा |
| पछव, | कण्डा | टार | जराबे | टापर | प्यारा |
| बजर-बां | भेद्य | साबकी | जोरा | छोरी | रोज है |
| टीबडकां | टापर | रमे | जंगल-नंगल | मीत्र | है ठह |

| | | | | | |
|-----------|--------|--------|---------|----------|--------|
| झींके | तबजा | पावग | झं | बोटकिबां | बात्र |
| छोटा-मोटा | छेकरा | टाट | बरावण | आत्र | ५० |
| झूबे | घारे | आकरी | रावण-नै | गुललीर | |
| आग | झंगीती | आमरे | बात | बयाव्य | कीर ५१ |
| हिम्या | डेर | आवकर | भेबड | बाकी | बाड |
| बिजाबी | का' १ | बैठता | मीर | मुक्या | नाह ५२ |
| रोही | मे | ग्याला | रमे | गांवां | राजी |
| मुग्घर | माणस | मो ता' | सगला | मुकुरा | बोग ५३ |

| | | | | | |
|--------|-------|-----|---------|----------|-------------|
| करखी | मोत्र | अणत | मुली | त्रिसाणा | खीखो |
| बीमग | मुषो | बान | कूबे-रो | पाणी | पंथो |
| सीयासे | रो | काय | आय | बयो | सधुगामुत है |
| पीसी | रोटी | पोय | सकरको | राणा | पूत है |

१ हा स्तनों वाली भड-बकसिपेकि ग्याले मिम मरक बाके-मडि पीरक माग भाकर केत है ।

मिरिचो हृद्य उद्योय होवै
मैस्पा-रै जाई वही में

होका पीवण हार
पीक्षी बाता नीत
सीस्पां सुभी देव
सिम्या धूषां बैठ

राम भरत हण केकसी-री,
रबै वीरबल पातस्वा-री
जी हरण ज जी करै
मन मांषतकी मसरगरवां

हुससै भाव हवाइयां
हुयी बरुवाण-री बिराज

पा पान्थां परमाविषां
हरि गुण 'गुणगुण' होरिया,

गावै घट्टी पीसता
पुढां भारे भैरबी

माय महीना कट
रिता देवै पाक
रंग लावा हज-राज,
अइ अणण पित जाव

कडवी वृथ कडावयो
चूरी रोटी कावली २४

हवायां करे अणोली
बतावै युवा बोली
नाक आका ओलाखां
मीव में साजन स्वाणां

सीख सख्खी बातकी
युवां मुप ॥ सखतकी २५
मित्रां आछो मेस
गुण सु रेसा-येम २६

चौकी धूषां योग
मीमां मासै लोग २७

साठ सुबम्ही रता
माणस चूठे अता २८

मारवां गीत अमोह
लिया गोविंदो मास' २९

आट राजी पर भावै
कशायण-रा गुण गवै
भाजनी लीका टोकी
फगिते जगण जोली

पोखी-पोखी टीकबूझी किरसाखा मन मांवाती
 बारै मांझ लुगवा जोर्ष राभी पर-ने आंवाती ६०

खूब बघाऊ निकसिया,
 हव-हव गरमी रमी
 नांय मुबाबे ताबूको,
 आंय अबाबण बाजली

फगण सागण वावली
 बरसण-री मन-मै करी

बादलियां आभै मळी
 आबपो बरसा बरस-सी

हूछ लजादै बावली
 पाणी बिन काळी लाफी

झोटी-छाटी अज-री
 अगा राखे अजली

ओकड़-दोकड़ छोटकी
 बरसव-बरसण मंदसी

मरली मारै-गळिवां
 आय कजावण बरस-सी

ओमी ऊजा अपोड़ १

सरव दिया घर छोड़ ६१

मा मन भाबै छांय

ठळी अक्षपठ बाय ६२

होतर पंखी रेश

हूर कजावण बैल ६३

मुरपर लुछ मन हेत

जोयो करसी पैत ६४

बरसण हूयी तयार

बण मुरपर हावार ६५

आ बरसण छीन्नी

बढ़वा - री दीखै ६६

टेर परे हो ब्याय

कड़े कजावण आंय १ ६७

खेत-कता घर-छाट

पाणी पोटा पोटा ६८

१ अमीन्हे धरमी पैत हात पर जागोकी अहाम रस बिहार हाकर भेक
 कामस बीक सी अरर जाली है किमर्मी बीकी-बीकी दुस्तिर्वा हाती है ।

बेर - भाव विवराय
 गेरी हरे गुणाव
 देवर दोहा छिरे पाछे,
 मर पिचकरवा नीर मात्ते;

रुझे होमी रीती-स
 फग खेले नीती-स
 मायां बने धीर ?
 भूरी बोल-बीर १५

जान्या जाना लोग,
 नम-घरखी-रे मेह
 फग रमयय रची
 छोटा बोला छांटा
 जाले रंग जमंग छांटा
 जामे बर-नी गैर रमावी

मचावी गैर रंगीनी
 कजायण कडी फकीनी
 मची कडी जामे पर
 मिजावां बरते मुरभर
 पिचकरवां मिस फज्जवां
 बोला बोला-स पदम १६

भाव घटा मल जूमटी
 छोटा छोटा बरसबे

करण बोला बोलाक
 मोत्या-रे बलिबार १७

पर हाजी हर जूमले
 बरखी सा बोली कटी

गकगक गात्र गजध्व
 बोसर गकां अजध्व

होखी मिस बोली करे
 मलां मलाकां मुरभरा

बरखी अजध्व अकास
 नाटी मेघ प्रकास १८

बालक हरत दिखोज-स
 हायां जायत हांफा

युगता चित भर बोला
 ठाठ कांकर बोला १९

| | | | | |
|------------|---------|-----------|-------------|--------------|
| आपी | जितरी | ओप-सु | बरसी-ना | बतरीह |
| बूख | घरा-रो | मेय गी | बीज-बीज | जितरीह ५४ |
| छल-राजा रे | बाब-में | पांगरबै | | बखराय |
| फै | सुहाबा | फोगरा | कांसुडा | हौ राम ५२ |
| फोगां | फूज्यो | फोगखो | होभी | गयी : सिबाय |
| तकई | फ्याबै | लीजण्यां | फूल | जुहाय बाब ५६ |
| फुलका | चूटे | प्रेम-सु, | गीत | रसीसा गाय |
| मांती | बीयां | गबर-सु | 'मिसल बर दे | आय ।' ५७ |

चंद्रावली

| | | | | |
|-------|----------|-----|----------|---------------|
| हरिया | फुलका | बीज | सहेन्यां | भूजरा |
| चित | उपकपो दे | बाब | अणंद | बर हूखरो |
| भूबी | मेही | आय | कड़ी | दे लीजण्यां |
| मीठा | गार्वै | गीत | आपक | मन-रीमण्यां १ |

| | | | | |
|--------|-------|-------|----------|-------------|
| करां | पली | आहान, | मुणीज्यो | संघरी ! |
| पूजां | मूदे | चित | आय | जितरी |
| रोज | बडाव] | फूल | प्रेम-सु | भूजरा |
| बर है, | कर है | सुधी, | रव] | नित फूलती २ |

| | | | | |
|----------|------|------|----------|--------|
| तयो | रसोई | राब, | सुगण्यां | बू फडो |
| दमैकी-रो | | दिस | मायेकां | मूफडो |

होली खेली गै रिया
मिठर मिलै रंग-मोह-सू

रसिया बंग बजावता
रतनाली-मै सापरे

भर पिपकार्या नीर
मधुमुत बडे अबीर ६३

धीमी मणै धमाक
जावू दीना रस ७०

छाग - पोरा आव
होली आयी आव
मांड डकड़हो खेल
पांती कर पेणाइ
हार पता जावै नहीं है
खेलत पोरा - पोर बीठै

जंगल में जेख बणाबी
अबानां रुकी मगाबी
मेख-सू वांटे भीरी
रंजना छावता सोरी
आगी पोरता हारवा
ओतै टोरा मारता ७१

आछो प्यगल रात
गांव - गुवावा बीज
फिरकत कूदत खेल
कम्पा गावै गीत
हरपत हाथां छे छफ रुझा
बण-कण मै बोज आबरछां

कजली बपवै बोली
खेलता संगला सोली
होइता बालक सारा
पुराणा प्यारा - प्यारा
रास रमण-री रीव- सी
रावां तान संगित-सी ७२

मदुर्वा मना बर्मग
मांरी रातां मांज
गावै धली धमाक
पेइइ वगा पुनइ

गग-रंग बंग बजावै
सातरा सांग बजावै
बहिया ओइत डाले
मगारा धै-धै बाने

बास पूमा छै मीठा, मोठा गीत गायीसदा
 मुरपर मे मादकता रमी, बासक बगे बैडोसदा ७१

होली बाली पुगत-सु जलतो बाम उपाइ
 कोठे नाचयो कोठ-सु 'तेजो' गाथ जमाइ १ ७४

हेन्यो दिन आया अबै, सेहल लीनी चोरु
 ठंडो - मीठो बीनयो मूख सरह-रो छोक ७२

कूड लुगाय्यो मूखबै मीठ छतारण मन
 पाखो गसा पिताय कर छगी भिडोपय्य तम ७६

कगल पगलकहाह मरद मन बहरा बालै
 भांडा-रा स्या भस यस्यावा डक पर होसै
 पाता बकै बल्लाय, अहीकत आयी होसी
 कसो मन-री कसर, पावडी मोही बोली
 गस्यो गैछा गस्यो गाई मूड प्योबै परम-री
 कर गी कियो कजाला ! गुगा ? बात बडी है मरम-री ७८

सैछा साबर लाग प्रेम-री पूछी कोछै
 सँछी की मजक मुझक्या मीछा बोछै

१ मुखने छुट्य मे होसी जपाठ है । होसी के बीच का रस लज्जता बीच
 कर बाँधे क पानी न पिलात है । फिर छिगल लोग मित्रपर तम गात
 है । के आज स मरद छपारने लग जात है ।

| | | | | |
|-------------|---------|---------|---------|----------------|
| अधी | मिहरी | ओप-सु | बरसी-जा | उतरीह |
| पूज | भरा-री | मेघ गी | बीज-बीज | मिहरीह ८४ |
| रु-राबा रै | वाव-में | वांगरबै | | बयाराप |
| पुने सुहाबा | पोगबा | कांसुहा | | बै राप ८५ |
| पोगां | पूखो | पोगभो | होखी | गवी सिपाय |
| तकई | क्याबै | तीजबयां | पूज | कुहाप जाव ८६ |
| पूजका | चूटे | मेम-सु, | गीत | रसीखा गय |
| मांती | बीयां | गवर-सु | असहा | वर है मय !' ८७ |

चंद्रावया

| | | | | |
|-------|----------|------|---------|--------------|
| हरिया | पूजका | बीया | सहेर्या | मूखरा |
| चित | बमकयो है | वाव | अर्थद | वर दूसरो |
| भूबी | मेढ़ी | बाय | कड़ी है | तीजबयां |
| मीठा | गवै | गीत | आपस | मन-तीजबयां १ |

| | | | | |
|--------|--------|------|---------|-------------|
| करां | यसी | आहान | सुखीयो | संजरी ! |
| पूजां | मै चित | साव | यांरोहा | मिहरी |
| रोम | बडाव) | पूज | मेम-सु | मूखती |
| वर है, | वर है | सुखी | रव) | मित पूजती २ |

| | | | | |
|-----------|------|------|---------|-------|
| तपो | रसोई | राव, | लुगयां | र मयो |
| दमोड़ी-रो | | दिस | मायेतां | नूचदो |

| | | | | | |
|------|-------|--------|---------|----|----------|
| खुसट | पफ्फू | लाट, | सांसी | बन | गामियो |
| धिसो | कव | करमीया | कुआज्यो | | ठामियो ३ |

| | | | | | |
|---------|------|-------|--------|-----|-------|
| बीमि | भूती | वेर, | जयावै | जोर | सो |
| सामगरी | | सामेठ | मचावै | सोर | सो |
| मीठै | मोहन | साध | मिसावै | | बरपरो |
| वे-सुरो | | मगवार | पूर | पसी | परो ४ |

| | | | | |
|------------|------|-----------|----------|----------|
| काखो | कोपर | कथ, | अमलियां | आगओ |
| होठै-रो | | हम्मार, | अमू काखो | आगओ |
| ठुकराभी-रो | | हू ठ, | ठगी-मै | सांतरो |
| भोवी | | हाफ्फुहार | पकरओ | भांतरो ५ |

| | | | | |
|----------|----------|------|------|------------|
| ‘पातलियो | सिरवार’, | फये | हर | फूठरो |
| चोई-रो | असब,र, | ओठीओ | | भू ठ-रो |
| मायां रो | बडवीर | सजे | सा | फौज-मै |
| वे‘पब,र | बरमाण, | रवां | म्हे | मीत्र-मै ६ |

| | | | | | |
|-----------|-------|--------|------------|----------|--------|
| बांधे | पचरंग | पाग, | छबीसी | बाअ | है |
| भूती | भू‘तै | मोअ | मोस्थां-री | माअ | है |
| बैरपां-मै | | बिदरूप | बणी | अमू | काअ है |
| धिसओ | बर है | माय । | गले | जय - माअ | है ७ |

| | | | | | |
|-----|--------|--------|--------|----|-------|
| धरा | पर | पराधीम | जाणै | मा | रैबखो |
| नेम | बरम-रो | बैय | जगत-मै | | केपयो |

| | | | | |
|--------------|------|------|------|--------|
| मात - भोम-रै | हेठ | न मन | माठो | हुषे |
| माभीछ-रै | हीदे | मही | काठो | हुषे ८ |

| | | | | |
|---------|--------|--------|-----|----------|
| देण-देण | बीपार | सेठ | बण | कोछया |
| छाँची | राखे | भूठ | महि | पोछया |
| हुकां | राक्यो | गुणां | मम | माध सो |
| भिस्रहो | बर दे | मायसां | | चाब सो ॥ |

| | | | |
|----------|-------------|------|---------------|
| मागै | सासर - पीर, | हुठम | सौ कोठ त्पू |
| माय | बाप | सुसर | धिर-भोइ क्यू |
| मयाइकाही | मकराक, | सास | कमना भिसी |
| कय | गवरी | सवा | पूजां भिसी ८८ |

| | | | | |
|------------|-------|--------------|---------------|--------------|
| काठी | उलै | काछ | 'करय' देवत्त | करां-रो |
| कबलै | कर, | सुर-बोझ | 'पोछ' वी रीस' | करां-रो |
| धिरियां-रो | बर | बीट | कगत-सै | प्यारो |
| भिसरे | रुआरथ | बीट, | सवा | परमार्थ |
| काय | कायदा | माय | भैम - नेम-रो | पासुछो |
| भिस्रहो | बर दे | माय । गहा-नै | के धूहो | के वासुछो ८९ |

| | | | | |
|-------------|---------|------|-----------|--------------|
| देयो | रोरो | जाण | मंगतां-नै | मयकाबै |
| सोवपां - सु | कर | राह | भीकतो | भोइ यपाबै |
| करै | कहपां | काट, | पासुछां | क्ये बयमांधी |
| बीन | मरां दे | दुकर | कराबै | छोग |

अकदवाज मूरज असज जो
जे'दे घावन-सु सहेण्यां

गावै सोण्यां गीत,
माव तीजवयां गवर
मांग धया वरदान
वचकी सदा वयाव
कुग-मन रंजव पाग-पाग करचो,
आजा जेथे उद्यव, आंग वा,

अणहूती माकव निरे
असगी जमे - सु रे ॥

पैरावै गै'ण्यां व्याप
वडावै फुल कुदाप
आरसी पुत्रा करणे
आंगयै आखंड मरवी
कुग-मै जवरो हरस है
दिन सो बीस्वा वरस है ॥

आस्यो हीळो हीठणै
पकड तरपां हीठव जगी

झूबो वडी अकस-मर,
हारां जूबी देवती

गवर शुभदा बीज मै
बोडा - मूट कुदाव ता

पकडी धया वंदूक,
हाडी हो गण होळ
पूर घोळता मार
वरण जांव दे थोक

तीजविद्यां-रो हात
जांबी सेव दिवोन ११

मुक-मुक मजि मूर
जिती कलावस हर १२

बिठी हरसण देव
मोव मयारवे वेश १३

पटाका सलवण कुटप
वजावय धाक जूवधा
गपी गिणगोर विमाव थ
पूरयो जगी वडाव थ

भयलंग अठ भिसो ही आयी
शम्भ मोठ-महीरा देयी,

भीसर ! छेवण गोरभ्या
पूजा भिसही गोरभ्या १४

भूर धाव भूमेर-सू
गेठ पुटाव गोरभ्या

गव 'गळणे' मीठ
पुडला रुही रीठ १५

बैठ बिदवडो कियो,
पेटां पयी पिटाव
छोरकिने हा टोप
फवला काही पूर
भीली भिला भिसै रंग राखी
बिन बरसा हरियाली हुयी,

हुयो बंगल हरियाली
आमुष। छम - छमासी
बडया घर सीका-सीका
बमण ब्यू बमडे पीका
छगा-छियां चित बोख हे
दिबडे हरण दिबोख हे १७

पेला ओडया पोमचा
माळे माळे कुळका
पीली केसर केळकयां
हलरी हरियां गळकां

केला गय रयां - कोड
तीत्रखियां - री होड १८
मानो सोयी साग्र
गवी कजायण नाक १९

कांट किंवासी रोजकयां
मिही-मिही केसर भिरी

सोब सागरही
निम मर निळलुठही १००

ह्याव टावर तोड कर
साग सल्ला आसिया

रीमां पाशे - बाद
सांगरियां-रा १०१

| | | | | | |
|--------------|----------|------|--------|---------|---------|
| एजी | खंगल-में | रमे | म्वासा | मन | हरख |
| रम्ह-रीम्ह | रागां | करै | ठंडा | मोहा | मन |
| ठंडा | मोहा | काय | पूनी | बाबै | पारी |
| मारी | सोरम | मिळी | कभी | भार्ता | री मारी |
| रंग - रंगीला | | फूक | फोगल | फूली | बाबै |
| काटो - मीठी | | बाख | करै | मानव-मन | एजी |

| | | | | |
|------|------|-------|---------|-----------|
| कवरा | जंगल | ए-बती | मति-मोख | मिठ-मुल्ल |
| मै | मायस | कलक | मोरी | मारी |

| | | | | | |
|-----------|------------|------|--------|-------|---------|
| किसकी | कातां | कमी | चखेरा | कलक | बाबै |
| आका - सीज | | अपुन | ठावरा | क्यां | रखार |
| घर | ओपै | आका | आका | वेप | मन-माका |
| 'विरध | विनायक | विसा | पनोर | बनवा | पाका |
| मुरपर-में | मंगल | हुचो | मील | बाब | सीज |
| हाडी | होख-सारंगी | छामै | मुदयां | गीत | मुलीज |

| | | | | | |
|--------------|--------|------------|-----------|--------|--------|
| कठै | बरावां | बहै | कठै-सु | पानी | बाबै |
| कित | कूगबही | बंभी | कितै | कगबिबो | गाबै |
| बंभी | बंभी | कितै | विधी - सु | क्यां | कगबै |
| सीख - मनाबो | | कितै | कितै | समदूखी | छाबै |
| कठै | बहारां | विमल-बारां | कठै | पनोर | कां |
| परधन-सोम्यां | हुचो | सोरलो | कमतर | जाती | पर बहै |

| | | | |
|--------------------------|----------|-------------|--------------|
| ધ્યાનાં, સ્થનાં બુદ્ધનાં | સોરો | ચીત્તો | સાત |
| જેઠ કામો, રૂપ શાસ્ત્રો, | ધરણ | મૂળ-સુ | આસ ૧૦૬ |
| બુદ્ધ ટીકા તાલકા | મા | મુકિતિયા | બીજ |
| ધિરણ રૂપોગી પુકિયા | કર | વચ્ચર સો | હીજ ૧૦૭ |
| પૂન પાપણી ધરણ-રા | બોર | રહી | મસખમ |
| પાલસ મોર વચ્ચો વિષો, | મુરપર | મા | મુરમ્માય ૧૦૮ |
| મોરાં મોક્ષી ધાપકો | મૂચી | રુચી | રૂપ |
| જાપી ધરા જપમિયો | વચ્ચ-રો | સસ | અનૂપ ૧૦૯ |
| કેર કસુમે સા હુલા | લીકર | હરિયા - હોટ | |
| રતા પેરીયા રબી, | માયા | પુલ | મચીઠ ૧૧૦ |
| લેસા મોક્ષ કે કાજા | પેચક | 'સ' ધે | જેટ |
| આપ કલ્યાણ સેવસી | મ્નાં-રી | સારી | મેઠ ૧૧૧ |
| કેરાં બૂપર કેરિયા | વિન | શમ્પે-રી | વેસ |
| રજાગવ કરચી કોહ-મે | સરસ | વિસાસો | વેસ ૧૧૨ |

मुरधर-मंगल

मिमल-जात-रे बमारे-में मेक खेक मोहो बामूलख है । मेक-पे
 दूबो नाब खेकटा है । बका-बका मुखका-में माणस मेक-सु रबै
 है प्रम-सु पबै है खेक-बूजे-ने बाबै है, बि बेस ही सत्ता फलता-
 फूलता आसव-में मूलता रबै है । दूसरा फूट-कलै-ए पर दर-दर-री
 छुर-दल-में बल-मोहा बजब हुम्बाबै है । मुरधर-रा मनरी भी भिसे
 मेक और पुरखै प्रेम-सु रबै है के मुरधर मंगल-रो पर ही बखतो
 है । राजा-रइबठ, भीष-बा-अणी भविषा-बणभविष्य छोटा-मोटा-
 आका पुरख मानो प्रेम-रा पूछा है ।

बारका गांवका-रे गिरल-री गाहव बेक्यां बेबां-रो बिबो ही
 हरक-दिहोवै दिहोका बड क्याबै मिनका-री तो किरक बाट है ?
 हुकां-रो नाम-मिसाण कोमी मुकां-री सरिता छी बबै है ।
 नवसक बोका, गूबकां भूट, गापां-मिस्वां-रो बीयो बीयो सफल
 बया बैबै है । बीकाली परा भूबकां परा, बिन्बै-रा मात,
 सोखना-रे सब सुरग रे बिसे मुन-सु कय है ? भूबा बिठ
 मांगवी बूछ बैबै है । भिसे है मां-रो मुरधर मंगल बैस ।

| | |
|----------------------|-------------------|
| बल धूँडा धल धूँधला | माटी मबले बैस |
| पुरल पटावर भीपत्री | बह हो मुरपर बैस । |
| मारु बैस बपनिया | सर ब्यू पावरियाह |
| बपरा रुदे न बोसही | मीठा बोसगियाह |
| सरबत-मरिया फल सजे | बलवट टीका मध्य |
| अल धूँडा, नर भीपत्र, | मुरपर सह समरप्य |
| घन परबत घर-बेमया | मर्णा न रतना-धाम |
| सीहा, सिखा सोहवा | बोर बिसा बिसराम |
| दारु, धमक, मिठाइयां | सोनो गहणा, साह |
| पांच जोक पिरवी छिरे, | बाद बीकाणा बाह ! |

बाह सी बाह । हवावा-में हंकार आगता रही है । किसीक धरसत्र । किसीक सहृदयता । और किसीक भावुकता । रकम रकम-रा बाजा भर रकम-रकम-री रागणी गाथीजै—

मुरपर म्हांते बैस म्हांते बाको कागी जी

माँह-रा मञ्जु बहे रजा राम-री, मुरपर-में मंगल रमे है ।

| | | | | |
|----|-------|---------|--------|----|
| यह | अंगल | बैस | हमारा | है |
| यह | मंगल | बैस | हमारा | है |
| यह | हमें | प्राणमे | प्यारा | है |
| यह | मुरपर | बैस | हमारा | है |

: ४ :

मुरधर-मंगल

| | | | | | |
|----------|----|-------------|--------|-------|---------------|
| गणक-सु | है | गोब | सहर है | छो'या | मारी |
| मुक्त-सु | | धरिबा | बास, | छहणी | छहणी |
| बोला | | बसर - सुबाण | | बसे | मानव सुह-सेबू |
| सत-रव | | भाभी - बाट | | मिली | मै'मा-सु मेसू |

| | | | | | | |
|-------|---------|-----------|-------|------|----------|----------|
| बनै | बेटियां | साज | सहीना | बाभी | बाटी | प्रेम-सु |
| मुरधर | मंगल | सरबावत-सु | | छा | सुभ्यजिक | नेम-सु १ |

| | | | | | | |
|-----|-----|-----|---------|-------|------|-------|
| गोब | कई | बा | जमरपुर | देवां | मरी | निबास |
| माग | मछो | धिय | भोम-रो, | बसिबा | बसती | बास २ |

| | | | | | | |
|----------|----|------|-----|--------------|-----|-------|
| सुबा | छे | माजस | बसे | मोखा | भूप | मिनाठ |
| 'सहर-मसर | बा | करे | | 'मंगल - जमरा | | साठ ३ |

| | | | | | | |
|--------|------|------|-------|------|-----|-------|
| बर | पर | हुहा | गोमका | पहवा | बान | मध्यम |
| कोठवां | धीपी | हु | पहवा | ठंडी | हकी | बान ४ |

| | | | | | | |
|------|------|--------|------|---------|------|-------|
| बागे | जमरा | ठरिबा, | | ठाव-बाट | बर | कोट |
| सुधर | बर | मंगल | करे, | बाकां | राखे | कोट ५ |

| | | |
|----------------------|---------------------|--|
| केलां ब्यू केलां कही | ब्यू भी धणी अहिमा | |
| मुरपर मगल कारणी | अरज करणी सिमा ६ | |
| टाली पीपल पालता | गाभां आक बपुल | |
| रोही रोहीदा फरै | आह फूठरा फूस ७ | |
| हरिया-हरिया भीक-हर | लारा जियां अफीम | |
| मुरपर मिमला-रै कदा | हाजर नीम हफीम ८ | |
| आक आम सा रुंखदा | ओलख सिरसा बीज | |
| कलां नीकली बीकली | रुखी बपली बीज ९ | |
| आलां पर काकोरिया, | बनी-रो कितो वसाख | |
| आबल-रो मेरो कहु, | रै मिसरी दीआण १० | |
| गूरी हू भी गूदियां | वीछा केसर कूर | |
| जीमी सा मीठा अरज | गजब रसीखा रुंदा ११ | |
| टीपां-री बू टोमियां, | ब्यू टोकां-री टोम | |
| रुही रेठां राबदा | आदाबला अदास १२ | |
| हुगी डेरनां हर दिना | बबदा लउ बोगन | |
| मन दुबसा माणस सिधै, | ब्यू धर-रा मैदान १३ | |
| ना बंगल - बिहार, | गही बिसकी बरोई | |
| मा मंदराज - पञ्जाब | हुजक बिसको या बोई | |

| | | | |
|-------------|---------------|-----------|---------------|
| या | असाम - क्वीस, | मुर्ना-सु | रुमी-मूमी |
| भाखी | अस्ती सिरे | मनोहर | मगल मूमी |
| फूली-फूली | कजायण करे | थली | बयाह मोहयी |
| 'तीन शोक-सु | मथरा म्यारी' | मुरधर | सोना सोहसी १४ |

| | | | | |
|--------------|-------------|--------|---------|---------------|
| राजस्थान | मवेश है | सब | वैसा-रो | माण |
| अजय | भिखाको | तनिक | न | सर्का वलाय १५ |
| रुई | राजस्थान | मुरधर | मगल | वैस |
| सगली | बातां मुल | सगाय | भासा - | मेस १६ |
| भाट-बारदा-री | क्रिया | सुके | ना | सरिदा |
| मन-भरिमे | मुरधर मरी | कस-कस | में | कविता १७ |
| सहित | राजस्थान-रो | अकथ | रसा | अपार |
| विहरी | नीर | अव | अस्त | अदर १८ |
| मारवाड | मन - मोहयी | बोलीजि | | बोली |
| सबदा-में | मीठास यू | ब्यू | मिसरी | धोबी १९ |

गीत

| | | | | | | |
|-------------|----------|---------|---------|-------|--------|-------|
| माणस | मिलय-सार | मन-मेह, | कनक | कटोरा | केसर | पोष |
| गांव-सहर-रो | मही | शुपान | मुरधर-र | जै | मोछ | बोल |
| | | | सो'खा | पुरस | सपूत | मुगाय |
| | | | मिजिया, | ब्यू | मिजिया | मेमन |

क्यू रे बाबा ! काभी धारै

कड़क्या-रे सारै-रो मोल
मुरधर-रा भी भीठा बोल १

सीरी - सीरी बगै बगारी
रोपी आ खेता-में जभी
हरक भरपा हिन नाबै मोर

हरियाली-सु ओपी ओम
देख बना किरसाखी ओम
क-क-क-का' करे कबोल
मुरधर रा भी भीठा बोल २

साबै छै परदेस पोखी
कुरबां काग-सूबटा सामा
धिर-मुमेर पीपली सिरसा'

सायबणां मेझै सदेस
काड काजम्या देखै पेस
गीत पणा अबुमुत अनमोल
मुरधर रा भी भीठा बोल ३

मल-मोम-रो माण जणाबै
पकी रैबै बिहव बकास
'जंगल मंगल देस हमारे'

कहियां-री हे बाबू बाण
गौरवता-रा गाबै गाण
हरपा-भरपा भी मल सतास
मुरधर-रा भी भीठा बोल ४

साबल-री मन-भाबण तीजां
गुड़ी बाल गुपरी श्याम
'गुड़ी बलै गुड़ो रोबै

धीवदियां मिल जोबै जाय
मोक्ष गीत मेहां-रा गाव
मेहा मुरग्या होलाहोख'
मुरधर-रा भी भीठा बोल ५

८
पा पण्थां हरजस परमातो
हर-पैसां रो हरि गुण गुण-गुण

मर ! क्यू सोबै जाग रे जाग !
सोखी सात रसीली राग

मुहमां-रे मुक ममन मीरणी

आपस-में से प्रेम भव-सु
जी-ली कर बिबुको हुलसाय
बत बीरबल-पातस्याह-री

सारी बातें छट मुखां-रा
देव, नहर, नहरों का ब्याह
'बम बंगलघर आतस्याह-री

बरणी-बणी नीत-बर मन-रा
बीर-बल बानी हुमियां-में

बीकानी, कांबली बिसवा
आत्मासम वा ली करली-सु

'आणी । बियो गोबिरो मोह
मुरघर-रा बी मीठा बोस १

रेवां सुस भायां ब्यू भाव
होका होय हवायां भाव
मुखां-मुखायां से बिल कोक
मुरघर-रा बी मीठा बोस ७

भलै भलेरी बणी बियाप
बाव बा ब्याह' आपोआप
कम-कम सुस मन-रो बोस'
मुरघर-रा बी मीठा बोस ८

बीकानेर बियां - रो नम

बंका बीर राठोड़ रखां-में
रेवतदा सिरमेद पयां-में
बियां-रा बीं बा बीं का कम
बीकानेर बियां-रो नाम १

बाठ बडेरी मानस-बाता
बीकानेर बसावण - बाता
हुसमी बिया बायोबाव
बीकानेर बियां-रो नाम २

राजा राधसिंह सा बानी
पाणी - पूरी सूरि बाणी

गिरधीराज सा कबी हुषा है
सबद नीचला भयर हुषा है
माथी पृत 'पते' सा नाम
बीकानेर भिखी-रो नाम ३

जाधारय सी बात नहीं ही,
आसइती रसपूरी राखी

ओरंग-री ही रीस अहिमी
आली डिगली 'करण' अहिमी
सुप देवा-में भिन्नर नाम
बीकानेर भिखी-रो नाम ४

गवर मुगल-इज, पद्म-केसरी
साह सम्य-रो अंघो हांघो

सेव सिंघा न्यू ठाव दिवायो
करतो बांगर त्रियं दिवायो
तुरंत वोड़ ही रीस समाम
बीकानेर भिखी-रो नाम ५

बग-पग पर मूषवर पगतापी
नहर महर कर टीका टोरी

बजद निरमल नीर बहायो
पावर माधे फूल लगवयो
त्रिदयी-रा पर वखन्या गाम
बीकानेर भिखी रो नाम ६

बिद्या-सागर आगर गुण-रो
'रेल' मेल कर महर मुकक-सु

बगल-बजागर परजा प्यारो
फोको मेट गयो जनता-रो
से मन बरमावच-रा काम
बीकानेर भिखी-रो नाम ७

जाँच - पाह्य जाहता तशी पहाव
 टोडी - डोडी डाँच टोडी - डाँड मुळाव २०

बसन्ता - ये बाधिया रोपने लकी हाथ
 गाएक बटे फियाए, बर्बा-री कूटे लता
 पादु बार्ता पाक, सेय अब बाबू बार्ता
 छोटा गांवां मांय म'बनी सा बन मांय
 बोरां पूर हटे अब बोरां सुरिया-ने बन रेव का
 हरे कबापक-री क्रिया अब पाका कम क्यू सेव कां ? २६

सुरवर-रा माणस निरुत चतर पोस्वरी ग्रोव
 जावो, अकळ जाय-री सम्यत - यता कम्पय ११

| | | | | |
|---------------|---------------|-------------|---------------|----------|
| कारनाम | कटकाय | कपण्यां | पक्षी | करोकां |
| देसां - देस | हुण्डाम | मीनकादी | ठोकां - ठोकां | |
| भरणां - करवां | माका | वस्तुध्यां | देवे | सारी |
| सुरभर | सिछमी - पूत | ममाका | रुमी | भारी |
| बिन पूव्यां | विकापत पूव्या | मारवाक - रा | | मानवी |
| भरम करण - री | हुया माभी | र-बुर तक १ | | दानवी २० |

अन्धी लड़की अनास
 राग - रंगीली भणी
 सोने - ॥ १ ॥ मौख
 पिसदा कछू कुबेर
 किसो बगयीचै परा-रो
 मन-मन छिठमी बचै सहरा

मरौली - होवा मैली
 बणायी सेठां देली
 सत्राया साहूकारां
 गिनियां मरया गुभाए
 नवन-वन सो सुख पणो
 सो मारो सुख भोगयो ३१

नाभी, लाठी, नाथ
 अपणा - अपणा काम
 हरजी छीपा माट
 कूभाए माध्याह्न,
 घटा घाट अेष करै
 छोड काम आप-रा आटा

मुनारं और छुहारां
 किसव-सू म्यारा-म्यारा
 गुसाया, बोम्पा, साम्या
 बछायां घोरपां बांम्पा
 के साधू, के सेवदा
 सामे जेभी - जेवदा ३२

छोटी - मोटी सातकपां
 मिनत बमार - मै बणा
 कार करै बेजा बणै,
 भर सेजा भर सीरयां

जायै किसव अनेक
 बतर जेक-सू - जेक ३३
 रुभी रेजा अठ
 बेम्पा रात रात ३४

विहद वामयां बहो
 करै आप-रा काम
 कभी मीकरी करै,
 काम किसा ही करो

आबर सेबा सेती
 लरी बीमासे सेती
 दिसावर कभी दुकानां
 अठ - मै मोटा मानां

| | | | | | |
|-------|------|--------|--------|----------|---------------|
| बडा | हुया | बाछडा | सीबनै | इझिया | खेग |
| बादे | पेहर | नाम्न | गुदाबै | गाडी | रेता |
| नूतै | भुग | मजबूत, | पीठ | पमासो | राजे |
| बूँडो | नीर | निकाख | कोठ | पल्ल में | भर नाले |
| पोवै | आखा | जीवका | खगु | गार्वै | बज्जान-वणी |
| करै | बगी | बसव | कलायस | पावस | भर घोरस पयो ४ |

मैस-रो गीत
(हास्यात्मक)

मंझाय री मैस भबानी है
सुरघर-री मल्ल मेह राणी है

| | |
|---------------------------|-------------------------|
| काकी आँखियाँ मैस भबानी है | आखें लोबित ब्यू काकी है |
| सुरघटांसु कल कल है | छायाँ बेठी मसतानी है १ |
| | सुरघर-री मैस भबानी है |

| | |
|------------------------|----------------------------|
| जिय-रै पर-मे आ राणी है | जुय-रै परज अलो बायी है |
| होती सो हरम हमेश रबै | पर में भी दुय-री पायी है २ |
| | सुरघर-री मैस भबानी है |

| | |
|----------------------|-------------------------|
| बूँडी हुया मरजाबैली | हो मी ज्य सुख पोंबाईली |
| मरियाँ झुझसी गालक-ने | अब लाँबी लाव पयाली है ३ |
| | सुरघर-री मैस भबानी है |

पाखी जिस-सु जीयो जावै
जिस-रा गरमी-में शुष गावै।

जिस-रा कटका तकका होवै
मर-में मर सजायीजे

आ हरिबन्दी-सु है राखी
पाखी-में भाव बिराही है

पाख-सु भारी माता है
जद-सु किसान के वाली है

पी दूध-दही जिस है लानो
पस-रै घर कहे न मैल्यो हो

म्हारे मन होयो सोच लको
हैं दूध पियू वे-वै रण

| | | | | | | |
|------|-------|-----|------|--------|----|------|
| मूरी | काशी | मैस | दूध | देही | भल | मीठो |
| बापर | जिसदा | वही | किसी | पसु-गे | ना | दीछ |

सीजीबमिया-सु सुख पावै
जद पीयो जावै पाखी है ४
सुरधर-री मैस भवानी है

मे बसा हुवे जद बन बोवै
जमर होयावे पाखी है ५
सुरधर-री मैस भवानी है

बरखे जावै भाजी-माजी
तो दू डव छिरे बिराही है ६
सुरधर-री मैस भवानी है

जाखे मसली-री माता है
मिटगी सा लैबतायी है ७
सुरधर-री मैस भवानी है

पकवान मस भी बराबरो
नो देखे मैल्यो लानी है ८
सुरधर-री मैस भवानी है

होयू मैल्यो-रा भात पछो
आ-ही आही बिराग्यो है ९
सुरधर-री मैस भवानी है १०

मानो मीठी लीर,
 प्राप रबै भिक आइ
 गावां - मैस्यां - भी-सु यणै
 सीरा सरब, मिठयां सगली

सावतां दिवको हरसे
 दूसरी देखत हरसे
 जोवां बे-ठावाइ है
 सरस सख्खी स्वाइ है ४६

जेवइ बबै अपार
 व्या जावै हो बार
 मेवां ततरे कम
 दोवइ खोब दियाइ,
 माजइ कामइ मली पदुइ
 पकरयां बाला वखे चोरा,

मेह-बकरवां मिस भारी
 बरस-मै जावां बारी
 बखारां गामा सारा
 कमलां और लुकारां
 परां धणी दूटे तथी
 भिख घन-सु पैदा बथी ४७

पर चोक्यां चोक्यां
 क्यक्य रब-बैस्यां
 चोका पब - कसाय
 बातां करणाबाव'
 मेवां - मगरिया - री बीड़ां
 भूमा भूट कनीती आदी

बयोरी गाढयां गांवां
 सजावां व्यावां-सावां
 दिखदियै बीला रावा
 तेज-सु माथि ठाठा
 पोडां बाज सुबावसी
 पुक-बीकां मन मावसी ४८

भाओ भूखज बैस
 चोला चानय चोक
 सा - पुरधां परबाइ
 बड - गेठय मारयां

धयां पर बरपै येकी
 ममोहर चूंजी मेकी
 बाधक प्रेम - बटुथ
 सरयां भू सोई झुकां

परम-पुन में लगी लज्जा
गंधा पायो घर-घर मंगल

सीख सकल निगार है
लंगल सुख-रो मार है ५२

लखहरनामी थाप
शय-लखस सा बीर
भाभी - मोक्षी देग
भीसर - गौरी जिसा
मार अठे अमरु सा
सुरभर-रा मर मैल रखे

मात ध्यु रातावेभी
राधका - सी भौजाभी
वनोभी गायकभक्त सा
रबी इम्पति मलमल सा
कंवर कर्ना-में वसध्यु
बघे कहुनो बेस ध्यु ५३

साबरी सी सास
सुसर जिषा सिर-मोड़
पौ - रे लारे बठे
बहु बडोड़ी बैठ
मणदा बिच बिच पुरसती है
मेठ, जेठहा सास - सपुता

विछोई सोवळ धामां
जका-रा है बी नामां
धीनधी जूटी - जोरी
रसोवा पोवै रोटी
बिमिठकां - री पंत - में
भीम मंगल साय - में ५४

लिचपिच कापसकी
सबद तीस - बसीस
पीडा साक - गुलाब
धीबद पासे लात
फोचसां खेजरां फसियां
बकी पकीकी कही रायता

तीन त्यूदारां राभी
सोबना धातां मंही
हाल, पर मांजन डेंचो
बीक्यो करयो पूचो
सुकां सागरं भाव है
मंगल रफी राव है ५५

| | | | | | |
|------------|-------|-------|------------|-----------|----------|
| रंभी | गुरजर | कीर | धुपर | सखर - बी | राजा |
| पठबी | पोली | धुपी, | मूग | मोठा - री | बासा |
| रही | कठमठो | मैंस | मूरही - रो | मन - माखो | |
| मन - हंरी | | मनबर, | सुगल - रो | बीमल | बाखो |
| छारी | बासा | करी | कसायल | ठाट | बखी - रै |
| बासा - गला | बठाधू | सीसै | | | |
| | | | मंगल | गुरधर - | बारसै २३ |

| | | | | | |
|-------|--------|-------|------|-------|------|
| अमल | सुपारी | बेहबी | ठाका | बिहना | बाबू |
| गुरधर | नर | करता | ना | ठाकी | अम |
| | | मला | | ठाई | २७ |

| | | | | | |
|-----|--------|------|------------|-------|-----------|
| कठै | कामडा | बेठ | कामडा - नी | नल | नारै |
| कठै | कामडा | बेठ | कामडा - | नल | बतारै |
| कठै | कामडा | बेठ | कामडा | मूमल | गवई |
| कठै | मिहिरल | बेठ | बेह - री | रल | बागावै |
| कठै | भोपा | ठाई | कठै | कलीरी | बाखिबा |
| कठै | गुरधर | मंगल | बाबू - री | पल | ठाखिबा २८ |

| | | | | | |
|-------|--------|-------|--------|------|--------|
| रहबा | भाभीपर | सु | दिगू - | मूखल | माल |
| गुरधर | मंगल | मोकखो | मुल | है | गुरग |
| | | | | | समान २ |

મુરખર

મુરખર ઢિલનો બણિયો સોણો
 ઝિલુગો ઢિલનો રૂપ સતોળો ૧
 ધાળી મુખ - ફેણાલ બિણથી
 દુપાં ઝિમફો માંઠો પાપી ૨
 હર મજાણ બીણ-રો હેરો
 ખન - ખન ફેલો મોમ પપેરો ૩
 લોલાં રેલાં રૂપ - રૂપેલી
 વમવમ વમફે પરા મુનેલી ૪
 ગ્યામ મુણા-રો ધરમા હેરો
 મુણાં ઝિલફો સામ્ય - સફેરો ૫
 રૂફો છાં છાપની જાબી
 જાંબ - જાંબ ઢિલ વડે જાનોલી ૬
 વમજ ઝિલા દુખ કાળી ધવાણ
 લો વરફે મડ-કલ્ક વકાણ ૭
 દરો દરી વડણલ ઢિલની
 હરી વરલ્લ કાણા છાપી ૮

पड़े पोढ़ मी'ण जे पाखो
 हरां स या ज्ञान बनाखो ६
 छोटा-छोटा दुखस बयाया
 मिथ पर मोटा दुखस छागाया १०
 म्हांरो मन मुन भोगखवाखो
 मुरखर मिथियो बेस निराखो ११
 बसता-री या बिमती दुखयो
 १ करता । भितरी किरपा करयो १२
 'संस्था' पू करे बिचारी
 बलम अठि हो बारु - बारी १३

शब्द-कोष

| | |
|--------------------------|-------------------|
| अक | कूर, प्रचंड |
| अक्षरस | नटकाव चंचल |
| अटकण्यो | अड़ना |
| अहिमी | अडिग, स्थिर |
| अग्रणीतो | आक्रमक |
| अग्रहुती | आग्रहजनक |
| अभिगा | अधाह |
| अभोग | अधाह |
| अपमरय | कमजोर |
| अभाव, खा | बुरा लगने वाला |
| अपूछ जिसे पूछने की जरूरत | न हो (सुपूछ) |
| अवेदरा | ठग |
| अमरुव | उग्राव, सरदार |
| अमोक्ष | अद्विष्टा अमोक्षा |
| असगूबा | बंशी की तरह हो |
| | बोम की पेटो ओ |
| | मुँह से बजानी |
| | वाती है |

[illegible]

| | |
|---------|-----------------------|
| आमिया | पतिव्रत |
| आंगो | इनका |
| आंगु | संख्या |
| आप | आदि, पासे की |
| आशा | एक मन्त्र मेह के किम |
| आपो | अपनापन |
| आपो आव | अपने आव |
| आवरु | इज्जत |
| आम | कंसि |
| आमा | प्रभा खेया |
| आरिखरीत | आर्यों का रिवाज |
| आठकी | कन्या मरीया |
| आझा | अपस्तम्भ से मन्त्र से |
| आझिवागो | प्रचंड बाहु |

श्री

| | |
|------------|--------------|
| जीमी | अमृत |
| जीका | गीका आशुभीमा |
| | अ |
| उवाइनी | कोकमे बाकी |
| उजझो पम्पी | इज्जत |

| | |
|---------|-------------------------|
| उम्भुपा | अपुत्र होन |
| उयामुण | अनमन अम |
| उयिबारो | आहुति |
| उमाखो | अपुत्र |
| उपयानी | अपुत्र |
| उपयई | अपुत्र से |
| उपयानो | पद |
| उमस ओमा | वायु रवित अम |
| | आप निहा |
| उमाखो | मुद्र बान |
| उयामो | अपुत्र-अपुत्रों की बोली |
| उरविवा | अपुत्रों के छोटे बच्चे |
| उयामुपा | अपुत्र जाना |

अ

| | |
|--------|-----------------|
| अपुत्र | अपुत्र आ अपुत्र |
| अपुत्र | अपुत्र होने |
| अपुत्र | अपुत्र |
| अपुत्र | अपुत्र |
| अपुत्र | अपुत्र |
| अपुत्र | अपुत्र |

| | | | |
|-----------|--------------------|----------|--------------------|
| ऊपर बीरुत | वर्षा से पहिले केव | ओस | सुखि |
| | मुपारने के बैसाख- | ओसर | भबसर |
| | जेठ के दिन | ओसरना | बरसना |
| झमो | खड़ा | | |
| झलाह कर | काँपकर | अ | |
| | अ | | |
| येकावअ | एक दो | अंगीठी | धूनी |
| अ हो | आमय | अबूओ | उबटा प्रतिहूअ |
| अब | अहां | | क |
| अंलबी | इलायची | कहरी | बागरे की सूखी छंठी |
| अदे | देसी | कहू रो | परिवार |
| | | कवाझियां | कटोरिया |
| | ओ | कहो | मैंस अ बचा |
| आताया | दूरी संहत | कठ | कहां, कही |
| | कहावते | कय | हीन होब |
| अगे | जाला कय | कजार | पट्टि |
| अोहा | अगरे हल की चप | कयारा | अतीदे हुए अम से |
| अटो | आह दिग्ने की | | अरे हुए अटो की |
| | अगर | | अगरे |
| अेवो | अगरे, अगदी | अर अरे | अब, कभी |
| अन | असे | अर | हीन होब |
| | | अमगर | अरे |

| | |
|----------|----------------------|
| करणी | करभी |
| करता | पैदा करने वाला ईश्वर |
| करनजा | श्री करसोत्री |
| करमीय | अभागा |
| करसाट | कुरखाना ककस त्वर |
| | में आवाज करना |
| करखोस्या | अंत |
| करबल | अंत |
| करसा | होरीहर |
| करता | बाप मरने की ओर- |
| | दिया |
| ककप | ककप-कक |
| ककपसो | ककना बिलसना |
| कक-ब | बाब |
| कक | ककिकाक |
| ककाल | कुरी |
| कस | हक, आसक |
| कसियो | बाब बिलसने की |
| | कुरी |
| ककवा | दिकों का ककिलाम |

| | |
|---------|---------------------------|
| कंकणी | ककसों (ककल का कक- बचन) |
| कको | मोर की पोली |
| | क |
| कंगरा | बिज |
| कगसिबो | कंधाई का गीत |
| कगपेटी | एक छोटा पौधा |
| | बिसके बिकने |
| | पत्त बने कावा |
| | करत हैं |
| कगोल वा | पटा के कगो ककने |
| | बाबे मुने बेंडे |
| | हलके ककल |
| कककी | क गोटी |
| ककली | ककपस ककली बटा |
| ककले | कक, ककक |
| ककस | बिहाज |
| ककरो | ककल का राहु एक |
| | काड़ा |

कातीसरो फलों की फसल के काम
 कामरु रामदेवजी के पुजारी
 कामरु कामरी छोई
 काबी भुरी, अनीसि की
 काम हुमिच
 कासी कलायस का विरोपस
 कापो वेर, बरखा
 कांस बिठा

कि

किहरी सेविका
 किच किसने
 किमय सुम
 किया किस लह
 किरको साइस
 किरका गिरगद
 किरना फलों का पक कर गिरना

की

कीकर क्यू कर १ डेसे १

कानो
 किय

क

कुकना कुकना
 कु बाखो कु बली
 कम्कुगां कसिमुग ये

क

कूकना पुकारना
 कू कू पुन्य रस

कू गणकी कू म-पत्री
 कू की बास का डेर

कू व विरा, तरफ
 कू दे पीटवा इ

कू व केतो में बल इकट्ठा करने
 का कबूटा

कूतमा बलवान
 कू बली बाबली

के

केका मोर की बोली
 केकी मोर

को

ता

कोधो बागसी गोधी
कोठो कुप पर पानी का कोठा
कोह हर्ष
कोहणी कुप रोमिणी (घटा
को कशाहना)
कोमल कोमल भरम
कोर गोठ कनारी
कोरी चित्रित की

स

कधीस परिमयी युवक
कमे पास
कपरी मरीरे के दो भागों में
से भेक, कपरी
कप सत्य
कपेसयो करेना, कपेसना
कसग करना
कस घसी
कसकल कस कस कोर से
पानी की आवाज

काशी भाष्यो हुरी कान्त,
कावर लोभ लहू, कंधीनीपी
काहें
काहा प्रचरद का
कानी कानी, तरफ
काविषा कसे

लि

मिष

बब

ली

लीचक मझी पर बेतों से
वहसे जयने
बाजी फूली
लीपा एक पीचा
लीर काकड़ी पारिबों बाजी
ककड़ी

ले

कोरखो

साफ करना

कोल

कोल मित्राफ

कोरपां

में से

केड़ा

बस्ती गांव

क्रेट

करूँ

केत रहखो

सरमाना

रोम

सहन करके

लव कोठे के नीचे पशुओं के

पानी पीने के कुवड़ी

लेख

कपड़ा

लै

लैचा छणी कपड़ों पैसों की

कीचायन

लो

लोहार

लंकरीली जमीन

लोह

लंगल

लोढ़ियों

एक मकान जिसमें

कोर की हवा चलने

से बर्बा होती है

भुगशिर

लोटी

भुरी, हुआ

गबकी

दगी, बखी

गबरी

गबरे का कोक गीत

गमावखो

लोना

गर्बह

हाथी

गरब

मठीरे का रस

गरबाखो

कूकना

गहड़बर

यदायोग बादलों से

समा आकम्प

गिर

फांग

गहावखो

ससजना

गोतर

गंगेरी पहाड़ जहां से

गंगा निकली है

गंडकदा

कुसुर खान

गा

गाभो

कपड़ा

गावड़ा

गुगल अम्बु

म्यारस एकदशी भावना शुद्ध
गायदमल सुखपीर
पादक फलन, शोभा

गि

मिष्टया गोड गोड़े खाने वाले
(कदक)

मिदयामिदया मिनली के, गोड़े
मिस्तेरक गीतगाने वाली औरतें
मिभिना मोहरे

मिरनाथी माँव का पानी रकटु
होने की जगह

मिरी अतीरे का गुदा
मिधर कामन् मरी इसी

गी

गीरखो गाने को छुड़ करला

गु

गुदावे मिरला है
गुह समूह, रक्त
गुहमबो गाड़ी
गुमार रहमाने

गुर बन बड़े भोग मध्य
गुहकीर मेह बकरियों के रूप
की कीर

गू

गूरा पु बर

गूरी उवासा हुआ बर

गुड़ी कपड़े की बनी बड़कियों
के खेदने की पुतली

गू बना गुहगुहना

गूबो मोठों के सूँठ ठण

गे

गेहियो आलों की टेढ़ी बनी

गेरी कमेड़ी

गो

गोसके पुराने डगक मालिया
अरारी

गोसादुरी गोरोड़ी का मोड़ा,
कोटा बन

गोगो एक त्योहार
गोहो अंदाजो

गोठ गोछी, बापक

गोष्ठिया गोष्ठना, पर्यार फेंकने
का अस्त्र विशेष
गैरही सुन्दरी
गोरबै गाँव के पास का कुला
मैदान बर्हा मरे हुए
पशु मिराते हैं

प्येरा गावों की गोठ, गो-गृह
गोष्ठिया एक बिड़िया
गोहस्थिया दूध हुड़ने का बर्तन

घ

बटाटोव बयड़ी हुई बहा
बबपरी बहुत सी
बयेरो बहुत
बर बजास पति के लिए प्रयुक्त

घा

बन्द कम
बाणी कोरू

घि

पिटाख घोग की बड़ी पूछी

धी

धीनक थोक भाव होकी
के दिनों में मर्दे
बाग्यकार मगारे की
आबाद पर डाँडियों
की राख पर नाचते हैं

धु

धुसला गौरी पूजन करने वाली
कुम्हारियाँ एक छोटे छिन्नो
वाले पड़े में दीपक रख
कर घर घर घूमती हैं

धो

धोक अघात का आ शब्द,
धन राजम

ध

बकल बहुत आंख
बहुर तुरन्त

बमबल बमबल पानी में बहने
की आबाद

| | |
|--------|----------------|
| चमचमना | ठिठमिठाहट पहा |
| | करना |
| चसंत | चसना, जसना |
| | चा |
| चांपना | हाचना |
| चाखो | चखती भरमार |
| चास | चाब |
| | चि |
| चिपका | फटेकपड़े |
| चिमटी | चिपक गयी |
| चिरकाय | चीत्कार करके |
| चिसकट | चमकते हैं |
| | ची |
| चीचां | करके फल |
| चीरना | मिशारना |
| | चु |
| चुबे | टपकते हैं |
| चुसना | चुसनाया पिनाया |

| | |
|--------|--------------------------------|
| चू | |
| चूकचना | भूकना क्षय प्रवृत्ति |
| चूकला | चारों के छोटे छोटे सफेद टुकड़े |
| चूख | इतने |
| चूडा | घी का बौंदा |
| चूयो | चूरी रोटी मिठाय |
| | चिरोष |
| चूल | वनस्पति का टीका |
| | चे |
| चेते | चाद चादें |
| चेकके | सुग |
| चेरा | मुसबा |
| | चो |
| चोकर | चारों ओर |
| चोब | चर्मप |
| | चौ |
| चौकले | मुस |
| चौधली | चू परमात्म |

| बंग | व | डफ |
|--------------|------------------------|--------------------|
| | छ | |
| छबीछी | छपबान | छुम्बर |
| छलछल | पानी पर बू-हों के | गिरने का राज्य |
| छात्रा छात्र | (छात्र बोले) | बादली क्यूं बोले , |
| छात्रयो | | छानना |
| छान | | छप्पर |
| छाबो | छाबका, छोकरा | |
| छाबवां | चकरियां | |
| छाबकी | बादलों की परछाईं | |
| छियक | | कश्मिक |
| छिन् | देवी के गीत | |
| छिन्न | शोभा फलन | |
| छीक छीक | सुग (छिर | करने वाले) |
| छीके | रस्सियों के जाल, सीकहर | |
| छूक | | प्राची |
| छूटी | | कराव, कम |

| | |
|---------|---------------------|
| छेकड़ | चरक का |
| छेरे | छेरे, टोरे |
| छोकरा | बाछक शिशु |
| छोछ | सहर |
| छकरा | मिनका जनका |
| छगां | स्थान |
| छक | बूटी, संजीवनी |
| छदीरा | जवरदस्त |
| छटे | जहां |
| छठन | पत्तन |
| छती | ब्रह्मचारी योगी |
| छद | सब वसी काझ |
| जनवारो | प्रजा का (रक्षेप) |
| | मनुष्यों का तारा |
| छरकीया | सरकी से जकड़ गये |
| जहम-जगम | जन्माष्टमी |
| जाका | छाप जुते हुए हो बैक |
| जांगना | डाही छोड़ी परग गाने |
| | बाकी बादि |
| जाबजहाज | जाबज |
| जामा | खर |
| जान | बराह जीव |

| | | | |
|-----------|-----------------|---------------|-----------------------|
| आँकर के | तड़के | बैठायाता | ५ छप्पे |
| आमस्य | शामन | बोये | रेले |
| आइवी | गण | बो'वा | ठासाप |
| बिनय | बढ़िया आबखों की | अगी | बलबान |
| | अंक जाति | अंग | मुख |
| बिनाबर | मानबर | | |
| बीआमा | सर्बेस्य | | रु |
| बीरु | बड़े मजीरे | रुहमोली | रुहोरना दिखाना |
| बीखो | अमारो खीचन | रुस मारना | माव होना |
| बीमलदा | मोहन करने वाले | रुह मालक | रीतमल की वृद्धि |
| बीपात्रूस | जीव-अन्तु | रुधरको | गुच्छा |
| जुग | दो अगल | भरवो | टपकटा |
| जूट | बोड़ी | मालक | मालक |
| जूते | जाठी जावे | मालक | बोरियों का बड़ा पात्र |
| खनो | पुपना | माला | मालक भूमस |
| खुब | बोरा | मिलोली | खिलोरो |
| जेई | जेई | मीयो मीयो रंग | हलक नशा |
| जेब | जेर | मीकटा | कोवित |
| जेठ | जठ महीने की | मुख | समूह |
| जेठवो | जेठ का जेठा | भुरखा | नीचे आ जा |
| जेव | गोख | मुखा | मोचे बदलने |
| जेवड़ा | मजबूत रस्सा | रु पो | खोपड़ी, बापली, मड़ी |

| | | | |
|------------|-------------------------|-------------|-------------------------|
| भूरे | पुखरे, रोवे | टोरा | गेंद के टोरे |
| भूखण्डो | बमान करना | टोरी | बसायी |
| भूखरो | समूह | टोका | कैंट समूह, टोकी |
| भेन्नी | ऊपर लिये हुए | | ठ |
| भोल | पानी | | |
| भोली | बालाकी कपड़े की भोली | ठमै ना | ठहरती नहीं है |
| दाद | सिर के पीछ का भाग | ठाण | बरमी |
| दाह | बकरो | ठाडी | बड़ी |
| दापरा | फूस के पर | ठियके | बिल्ले |
| दाज | गाय-बैठों के गले की घटी | ठिबै | परिपूर्ण |
| टिराडिटियो | बिरहू की तरह | ठीकर | मिट्टी के पुराने बतन |
| | का मोक कीट | ठूठ | सूके लकड़ |
| टीडखियां | छाटे मुँहिये रोबर | ठेका | सहारा अन्नपूथ |
| | के कीट | ठेट | अन्त तक |
| टीडी | दिशु | ठेकमठेसा | बककम बकका |
| टुलक कर | बसाकर | | ड |
| टूक | टुकड़े | | |
| टूसां | होने मन्त्र | डप्राप्तिया | बचने मकान |
| टोक | मीचे से निकलने वाले | डमडम | डोल का राष्ट्र |
| | बादल | डसाडस | बच्चों के रोने की ध्वनि |
| टोफरी | कोड़े की टाकी | टहकात | हरे मरे |
| टोड | पुवा ईंट हथेली के छाने | डपाँडणो | बदलों की बोली |

| | | | |
|---------|--------------------|---------|--------------------|
| बांगर | पाट | बामकी | बकी लंबरी की तरह |
| बांड़ी | मारो | | का बाजा |
| बाहो | बहा | हीकणो | रमाना, गाय की बोली |
| बांफर | ठंडी पधन | हू डा | बड़े ओपड़े |
| बार | पंक्ति, समूह | हू डणो | ठकारा करना |
| बाबी | मेंढ | होबने | होवे छावकर से जावे |
| बाखी | घुड़ों की आली | होकसा | भाप से पकड़ी हुई |
| बिगना | गिरना | | मचरी बटिख |
| बिडावणो | बिडावना रोना | होमणो | निरान |
| बीकरो | लड़का | | |
| बीषो | अम्बा | | तु |
| ह बो | बार खुटों का छप्पर | तकडा | मजबूत |
| | जिस पर किसान सोते | तकडो | प्रमाद, बपार |
| | भी हू | तरुणाभी | अबानी |
| डेवरिया | मेंढक | तसण | भूमने |
| डेरो | रहने की जगह | तसतसण | तपा हुआ |
| डोहरी | बुढ़िया (कलावण का | ताबी | आक्यवर लीन |
| | कियोपण) | ताण | ताकत, दीवान |
| डोरमडोर | पके हुए | ताठा | चंचल, गर्म |
| डोव | डाँवा, भू की भूमि | तापडवा | दीकते |
| डकते | डककते | ताण | देर |
| डाकी | साँप में उतारी | | |

| | | |
|------------|-----------------------|------------------|
| साक्ष्या | पक्के मीठान | से आने बाबा पानी |
| छली | बपोकी, दोनों हाथों को | सैं |
| | बजाना | तोपना |
| ठाव | तेजी | घट |
| छियां | दुगों लिनकों | अमे |
| छिरयो | तेरने | घाट |
| दिसिवा | लिल के पोये | घाम |
| दिसजव | फिमलसे | धांरोकी |
| दिसबारी | पानी की कमी | धारिधो |
| दीवणी | तीज पर गोर पूजने | धिया |
| | बाकी | धिरपक बाणां |
| हीमे | क्रोध करे | धुधमुवाचणो |
| हीतर वंगरी | हीतर के वंग मीसी | धेकी |
| | चित्रित बंदगी | भाग |
| हीवण | साग तरबारी | |
| हुमर | संतु तार | द |
| लूण्या | दृष्ट प्रसन्न होना | दही |
| तत्रा | बीर रस का एक गीत | ददके |
| | जिस हकबाह गत है | दरोगी |
| तत्रची | तत्रचो | दमिवा |
| तेह | तेरमे बाते | दाम्प्यो |
| तेह | चीचो हो अचो में अमीम | |

| |
|--------------------|
| से आने बाबा पानी |
| तूने |
| जमीन में गाढ़ ना |
| समूह |
| ठहरे |
| ठाट मुहक |
| य म लमा |
| आपकी |
| एक गंध अहां की |
| टोहरी प्रसिद्ध है |
| धीरे धीरे चल |
| हमरा क डेरे |
| कंपकपी आमा |
| हथाइ का ऊंचा स्थान |
| अंशान्न अगाधर |
| द |
| रेंद |
| बहादे |
| दुध महिणु |
| मह बिचे |
| अजमा, दुध पाना |

| | |
|-----------|--------------------|
| दाँव झाड़ | छोटे छोटे बंजुरों |
| | का काना |
| शायेशाम | तमाम |
| शाय | शुरी |
| मिहम | हेर |
| हुकाब | अकाब |
| हुमासी | हो नाँवों की बंदूक |
| हुनी | हुनिया |
| हुरमिल्ल | हुमिल्ल |
| हूबो | हूसर |
| हुम्तही | हुय हेने बाकी |
| हुयवरय | हुयवरय |
| हेवान | बाजार, हेनेबाकी |
| होकी | रात |
| होका | चारों ओर |
| होवड़ | होहरा हुना कपड़ा |

ब

| | |
|---------|---------------------|
| बक | मोठों के बारे ब फकी |
| | का हेर |
| बख | को |
| बखिबानी | स्वामिनी |

| | |
|-------------|------------------------|
| बणियाप | स्वामित्व |
| बधकिया | मयके |
| बफक | सफेद |
| बपठबी | मरपूर |
| बपाव्यो | बकमा |
| बमाख | होली के गीत |
| बमकोट | बकड़ियों की बाम |
| बहर बम्माका | मेघ गर्जन |
| बापखो | घम होना |
| बाम | घर ठीक |
| बामय | एक नरम पास |
| बिन बिब | धम्य बाब |
| बीबकिपां | बेटीबां |
| बुबलो | बुलगाती |
| बुरिया | सुख पर स्वयं देने वाले |
| बूझा बंवर | बंवर का बूझा |
| बूझा धोरा | बुझे बने बड़े बीजे |
| बूझिबो | बूझ की झुड़ी |
| बैन | घाब |
| बोक | ईश्वर प्रणाम |
| बोकना | पूजा करना |

घोषी दुपारै दिन दोपहर में

न

नकराही इठलाही

नवखी मुकरन वाली मदनी

नखी बीर पति

नरखी नारायणी, लक्ष्मी

नखी छट के पैरों के नीचे का
भाग

बाकिया गिराना

माठी आगी

माख छोटे दाखा

मावा सम्बन्ध

माय रस्सी

मानरपां पट्टे हुए मोठों के
छोट-छोटे डेर

मिचोड़ मरोड़

मिनाख मिछई

मिमर नीम की मंजरी

मिरखण देखने को

मिछठ बाहुल

नीकरखो साफ होमा लिखना

नीला चारा पशुओं का खाद्य

नीबत नियत

मीसरना निश्चयना

मुबेसी नबेकी

नेगवार रीति रस्म (बरसना)

नेहो निहट

नोरछा नबरा

नोरा प्राय ना, मिहोरा

पड़ पावू की के पराक्रमों के
हरणों से अधिक पड़

पड़वा घर का छोटा भाग

पटुका मुन्वर-देही शाय

पण परम्पु

परमख सौरय मुगम्ब

परवा पूर्ण की हवा

परतख प्रत्यक्ष

परभावी प्रभावी रागिनी

परति मांत

पकड़खो पिछड़ना, बमकना

पलीक पानीघर

पलूख्यो पुचकारना

| | |
|---------|---|
| पंगरती | चंद्ररित होती |
| पाख | पाकिरा प्रमा |
| पांत | पंक्ति |
| पांती | बारी |
| पाथर | पथर |
| पाबू | अके सिद्ध पुरुष |
| पासपास | (साझा की सीमा) |
| पाखर | बर्षा का |
| पाकी है | करीबी है पाकी है |
| पासो | आँखियों के पत्ते |
| पासो | रीति |
| पावग | आदे के मोटे बोल |
| पिछवा | पछिमी हवा |
| पिन्ना | तंग होना, गेंद छाने का कार्य |
| पीथ | चिड़िया |
| पीठा | पत्ते के नीचे का एक भाग |
| पीप | फेगो में एक बीजा होता है जिसे छकके खाते हैं |
| पोवरकंध | मोटे कंधों वाली |
| पुम | पुख |
| पुरसबो | परोसना |

| | |
|----------|-------------------------|
| पुष्प | पक्ष समथ |
| पूम्पा | पुंसे |
| पूचो | हाथ का पंज |
| पूअखियां | सिद्धियों के लिए सम्पदा |
| पेथी | पेटी, संक |
| पेचो | पाग पगड़ी |
| पोर्याह | गोब (खेकने के) |
| पैंछो | मगै, बाध |
| पोर्षा | प्याऊ, बलराज्य |
| पोकरया | पुकरये आर्य |
| पोख | पोड़ों के पैरों की आबाद |
| पोमचा | एक मकर की ओड़नी |
| पोरं | रक्षा |
| पोकी | रोटी |
| पंचकखामय | पोड़ों की एक जाति |
| पन्नाली | बेड़ों का छुवा |
| | फ |
| फकीरी | फकीरों के भजन |
| फरांस | एक वृक्ष |

| | | | |
|------------|-------------------------|-----------|-------------------|
| घाँस | फट्ट च्याहि का काया | बाँठ | सुके भेद |
| | टुकड़ा | बारण | छार पर |
| प्यारे | टिकी के बच्चे | बाराबाद | बीपट |
| घाँफ | भूमध्यवात | बार-मासकी | बार्षिक |
| फिड़कवा | परिगे | बारी | भद सुहारी |
| फीसणो | फट पड़ना | बतरी | बतनी |
| फूटर | सुन्दर | बीजो | हूसर |
| फूलही | एक सफेद वस्तु जो बर्षों | बीबो | हूसर |
| | की गर्म से बोरों पर | बुगचो | बकुचा |
| | मिक्कड़ी है | बुगवरी | मगुका |
| फोहो | कह | बूट | छोटा पेड़ |
| फोस फुवाखो | फु बाध करने | बेरो | कु का |
| | बाली | बिक | बहली |
| फोसरी | हल्की | बोको | बहुत, बहप |
| फोही | पागल गीदड़ | बोरो | पुरप्या |
| | ब | बंजड़ | कसर, बजाव |
| | | बंदो | मनुष्य |
| बगार | फूल समूह | | म |
| बपझांभी | छाने होकर | | |
| बलाप बारी | छेर सजा छेर | बल्यारी | बल भरने की कोठी |
| बलापी | बमारों की एक जाति | भगुला | भगूभा |
| बांगर | बाजरी की एक जाति | भटुक | इमद-इबर फिरती हुई |

| | |
|----------|-----------------------|
| मध्याधी | पढ़ायो |
| मरसावै | प्रतिष्ठा नि पैदा करे |
| भातछ | छैट के बाबों और |
| | ऊन से बसा मोटा |
| | कमल |
| भाब फलना | धौ फलना, बह |
| | सुख |
| भाब | एक रुपय-कर |
| भाबकरो | भागनेक |
| भाब | बहुकिया |
| भाब | निहा की कबिया |
| भाबो | भोजन बाक |
| भाबर | बहादुर |
| भाबर | भ्यामारत |
| भियभिरी | भगवान करी है |
| भिंगो | एक मुनहका कीट, उसके |
| | भरन पर कड़कियां बससे |
| | गुदियां सजती हैं |
| मीक | कह |
| मीरी | साथी किलाही |
| मुरा | एक कहिहार पाव |

| | |
|-------------|---------------------|
| मुरा | नीचे से निकलने वाले |
| | बड़े धात |
| मु कण | मोकनेबाबा |
| मुडिया | गोबर के गहि कैंडे |
| मुडे मेक | कुडीस, बुरे ह्म का |
| मु-म्य | बनचोर रुप |
| भूरी | सफेद मैस |
| भूरोको मट्ट | सुहा, बदरम बन |
| भेको | साब |
| भैरबी | रामिनी बिरोध |
| भोव | बहुत |
| भोपा | पुजारी |

म

| | |
|----------|--------------------|
| मक | मकान के समान गरीब |
| | कोमरे का बहिय की |
| | हरक कमने-काने जाना |
| मगोबक | गलीबी |
| मगाल | टाक |
| महा | दोहा |
| मरी, मते | मत |
| मरो | बिचार |

| | | | |
|----------------------------|-----------------------|-----------|---------------------|
| मपा | माया, दया | मिटगी | मिट गयी |
| महाप्य | मखिन हुच्छ | मिथमिथिया | छोटे-छोटे |
| मां कर | मांघ कर अन्तर होकर | मिरका | लकड़ियों का ढेर |
| मांघ्यां | मक्खियां | मिछोकी | मिस्सी (रोटी) |
| मझछा | प्रभाव समय आकरा | मीचयो | मूचना |
| | मे करणों से फैली | मुजरो | म्याम |
| | हुई काल जम्बी कहें | मुरका | छोटे डींग, मगरे |
| माजन | महाजन | मुरबादा | मर्वादा |
| मानै | मन्थ | मुरट | काली बीसे पास का |
| माहा | एक प्रकार के जाने | | एक पीसा |
| मांटी | मध | मुइसेल. | मुलकने वाले |
| मांइय | बनाने वाली | | इंसमुख |
| माघ | केचक | मुका | मुसड़े, मुइ |
| माव | मसने हुए थोठों का ढेर | मूलपट्टे | मीठी चाति का मरीचा |
| मामाक्षणी | एक पीसा जिसके | मुमल | एक रूप-बर्चन का गीत |
| | चरपरे पत्ते बबे | मुलां | फेगां |
| | छाते हैं | मुण। सा | कमजोर |
| मामोखिया | बीरबहुती | मेकी | भटापी |
| म्यां-म्यां | मिमियाना | मेण | मोम |
| मारु, मिषतम, मिषतमा, मरुधर | | मैइरा | छुरत, आकृति |
| | का बाधी | मैसू | मेम से मिलने वाले |
| मिअभी स्थाद | बेस्वाद | मैइयथाक | बर्च के पूर्व जाने |

बाली पतिंगे

कम्बे डीबे

गंधारी

बहुत

भरोसा

मोती से बड़े बाने

प्यारा

मसले हुए बाने

अपनी सुर्ती

मंत्र सलाह

२

रकुमर्दे गुरुब्रह्मगुवा होते हैं

रख केस कुंज

रक्षनाली रतमारी

रक्षमिन् मित्र-शुभकर

रात्र कणक

राक्षसी राक्षी

रात जगावखो रात भर जागरण

करमा

राज काज बाटे से बना एक पेय

राम भयावखो काम के समय

जोरीछे गन्नी

का गात्र

काजना गिराना

रिगञ्ज आसम्प-पूर्व मन्त्राक राम

रिद्धकण्ठो भीलों की बोली

रिद्धपात्र, रक्षा

रिद्धक वृत्ति बीबिका, घव

रिद्धावी लोचित हुई

रीम बह

रीम अचपके अककिचे (फूट)

रीम ठंडी पवन

रिद्धावी रक्षक

रिद्धक कहार

रक्ष कस्तुरी

रक्षना मंडीबा

रक्षता भद्रकटा

रक्षा बाल

रुमा रुमा रोम-रोम में

रेखा रेखा कपूर

रेखा रात

रेखा गंगा की पवित्र रेखा

रेती राजविषय रक्षक

रेखा गुसगान (अगलाम की
 क्या
 रेखा पलक, मेह बकरियों
 का समूह
 रोड़ियो मीमा
 रोड़ कलन
 रोड़ रण, मजराक
 रोड़ पोरुम
 रोड़ रोड़ियो नखत्र, जिससे
 कड़ाके की गर्मी पड़ने
 से वर्षा अच्छी होती है
 रोड़ी अंगल
 रंज एपट्ट फिसलान
 रंजी बनी, पकी
 स
 सखर जानकर, बैरकर
 सखर बजाए, सगरीमि
 सखर सोचना
 सखर परिवार समूह
 सखर सहरार रंगी हरे
 सोड़मी
 सादे बोरे

सुखी साज रुपये की
 चापड़ी की
 साग सागत लपे
 स्टाग रे रोड़ कर
 सावे मिले
 सांपड़ी एक पास
 सार पीछे
 साव, रुप से पानी निकलाने
 का बमड़े का रस्ता
 सासड़ा पोग की हरी ठहलियां
 (हरे सास)
 सिछमी ललियाम की धूस
 सरमी (सम्मान सूचक)
 सीरथ पंक्ति पत्तों के टुकड़े
 सील नील, रंग
 सीलो हरा पास
 सुकायो दिपाया
 सुही एक रोस (चट्टी)
 सुको लोमड़ी
 सुठी सहरारल
 सुरी सरमी के दिनों को ठंडी
 बापु

| | | | |
|---------|-----------------------|-------------|---|
| छोटकी | छूने की का तरह | बासी | बोचने |
| | एक मिट्टी का बर्तन | बित | घन |
| छोर | हस्के बादल | बिदरूप | बिद्रप, मयंक |
| छोड़की | ऊँची शाख | बिघना | बिघाता, बरमी |
| | ध | बिरभ विनायक | गणेशादि की प्रार्थना, वैवा- हिक गीत |
| बंदेरना | फैलाना | बिबलो | ज्वाँल |
| बगना | बलना | बिबाबो | मत्तवाक्य |
| बडगोतण | बड़े कुल की की | बिजोबे | ममता है |
| भक्त | बुद्ध | बिसाखी | बिनाम |
| बटूला | परिपूर्ण | बिसारखे | मुलाने |
| बखराय | बुद्ध समूह | बीज, बीजल | बिबली |
| बनराजा | सिंह | बूहा | बहुर्ष |
| बनोरा | बनोरी में गाने के सीत | बेग | बोर |
| बरखा | बर्षा | बेगा | गुरख |
| बरख | रंग | बेजा | कपड़ा बुनना |
| बरसाली | बर्षा अनु | बेट, बेजा | बेज्य समझ |
| बरबली | भूमलसी बलतीवाल | बेबा | दिपबा |
| बायल | घर के आगे की जगह | बेडीबता | बागल होते हुमे |
| बागद | महबेरा | बोरा | सूर वर बचवे रैनेबासे |
| बादल | प्यार (वात्सर्य) | बोज-सु | दिकमिल करके |
| बांधी | एक भाति के बमार | | |

स

सगच्छा) तमाम
 सस्यस्य सननन, बंधु बंधने
 की आशा
 सस्यां सवियां
 सवियां वयो सवा का
 सवियों का
 सरीना सदा का
 सनेस समेरा समाचार
 सप्य साफ, बस्यबस्य
 समदूषी बरात की विदाई के
 समय की पहरावनी
 समो सुसमय, जगदी फसल
 सुमिह
 सपव्य प्रसांसा
 सपको अशुभ
 सा भादुर सुषक प्रत्यय
 (राह साहब)
 सांग सांग
 सागल असली बही
 सांभर्माच खचमुच

सांभो

साभम

सांठ

सांतरा

स्यास

साय

सापइते

सापुरुष

सामे

सामो

सायर

सायधय

सार

साह,

साहक

साहकी

सांभकी

साभो

सांसर

सास सपूरा

सांसा

सबा

सम्जन, प्रियतम

सांठ (रस)

सुन्दर, बक्षिषा

समय

माद

साकात्

सत्-पुरुष

खिचे, आये सम्हाले

समने

बीर, गम्भीर

की प्रियतम

सांपरा

साकी

सामी

व्यापी हुई, रूप देने

बासी

काली

सुहृत्

पट्ट

सास के सत्यत्र

पति

बिम्बा

| | | | |
|-----------|----------------------|----------|--------------------|
| साम | पादराह, सेठ | सौकी | ठंडी |
| सिक्करो | बाग | सुमाधिक | स्वामिक |
| सिक्कंदरी | सरहरी में पकी हुई | सुरंग | स्वर्ग, बयरपुर |
| सिक्कर | बोफर | सुरंगी | मनोहर |
| सिया | अफज | सु बारी | सबावा है |
| सिष्ट | पादरे के सिद्धे | सु बी | द्वि की अलुअल |
| सिद्धियो | सब एक पीमा | सुभ्यो | सूक गम |
| | जिसके तारों से | सुय | राकुन |
| | रस्सी बनरी है | सुयी | लक |
| सिधल | सिब की | सुय न्यू | आपक दुआ कपरी |
| सिरे | अस | सुयो | सम्प सीबे |
| सिक्को | अस की सिद्धी तोड़ना | सुनो | सुनसम |
| सिक्काड़ी | बीकमेर का एक | सुभो | सम्बेह |
| | प्रसिद्ध स्थान | सुरका | सुधर |
| | (सिक्काड़ी) | सुपय | सूरसागर |
| सिमु | बागक | सुरिबो | ब्रह्मोत्तर की हवा |
| सीक्यां | सिक्काजे | सेडल | संतसा |
| सीबी | सदगीर | सेंती | समेड |
| सीपाई | आड़े में | सेमाडी | मिछामी |
| सीर | सम्बन्ध साका | सेह | एक अविहार |
| सीरो | हजुवा | | आनवर |
| सीरी | साबी | सैंचनण | प्रकार-अव |
| सीख | भीगी हुई, अच्छा लगाव | | |

| | | | |
|----------|------------------------------------|--------------------------------|----------------------|
| सख | सखजम | हस्त | चसकर |
| सैयमनाबो | एक बैबाहिक रसम (प्रिम को मनामा) | हलफख़ा | ताबना |
| खेल | बाप | हवद | होज |
| खोखो | मुखा देना, पी देना | हाक्या हाक्या | हक्यायक्या |
| खोधी | मित्र | हांगो | हांगत, साहस |
| खोग | शोक | हाटा | हुकाने |
| खोरखे | फिहर | हाबना | इधर उधर भटकना |
| खोरा | मुखी | हाला | घामे (प्रत्यय) |
| खोबत | सुबण, सुनाव | हालपां | पलने से |
| खोखोखी | संयोगिनी | हाली | हसबाहा, किसान |
| खोखोखो | सतुप करना | हास | पसता है |
| खोखो | संहरा | दिक्की बाही में बापी हुई, पागल | |
| खस्करती | संस्कृति, पुरानी रीति | दिखदियाखो | चोद की बोली |
| | ह | दिन्दबाण | दिन्दूपन, दिन्दुरपान |
| हददो | एक खज | दिबोला | दिसोरे |
| हस्त | हाथ | हीदो | सेवा |
| हवाभी | मित्रों के इकट्ठा होने का स्थान | हीडा | मूला |
| हरजस | हरिपरा, भद्रम बीबाह | हुसराखो | पन्नाहमा हुसराखो |
| हपख | हमियाही की धोरम | हुसराखो | हुसराखो |
| | | हु-ह हु | विषाद की बर्ती |

हवा
हूँ हूँ
देव
देव

बर्बड, घाँची
हॉफमे का शब्द
कलम, बार
प्रेम, वास्तव्य

हेलो
हेली
होवाहोली

मुझर, प्यार
हसेली, महल
होक कगलकर, देवा
हेली
